अंक (में) आना	गले लगाना। उ०- अंक न आव मयंक मुखी।
अंक देना	गले लगाना। आलिंगन करना। — देना।
अंक भरना	हृदय से लगाना। लिपटाना। गले लगाना। दोनों हाथों से घेरकर प्यार से दबाना। परिरम्भण करना। आलिंगन करना।
अंक लगना	गले लगना। आलिंगन देना।
अंक लेना लगाना	गले लगाना। लिपटाना।
अंक सूझना	उपाय। साधन। उ०- सूझ न एकौ अंक उपाऊ। रामा०
अंकवार देना	गले लगाना। छाती से लगाना। आलिंगन करना। भेंटना। गोद में बच्चा रहना। उ०- अंकवार भरी रहे नित तिहारी। रसा०।
अंकवार भरना	आलिंगन करना। भेंटना। गले मिलना। हृदय से लगाना। दोनों हाथों से घेरकर मिलना। गोद में बच्चा रहना। ~~गोद में बच्चा~~। सन्तानयुक्त होना।
अंग ऐंड़ा करना	ऐंठ दिखाना। बेपरवाही और घमण्ड दिखाना। उ०- यह ग्वारन को गांव बात नहिं सूधे बोलें। बैरे पशुन ~~बाने पुसन~~ के संग अंग ऐंड़े करि डोलें। दीनदयाल।
अंग करना	अपनाना। स्वीकार करना। अंगीकार करना। उ०- जाको हरि दृढ़ करि अंग ~~करयो~~-तुलसी। जाको मनमोहन अंग करै। सूर। करयो
अंग छूना	शपथ खाना। माथा छूना। शरीर छूकर कसम खाना। उ०- सूर हृदय तें टरत न गोकुल अंग छुवत हौं तेरो। सूर।
अंग टूटना	अंगड़ाई आना। जम्हाई और आलस्य के साथ अंगों का फैलाया जाना। ज्वर के पहले देह टूटना
अंग तोड़ना	अंगड़ाई लेना। जम्हाई लेना। कुछ काम न करना
अंग धरना	पहिनना। धारण करना। व्यवहार करना।
(फूले) अंग न समाना	अत्यन्त प्रसन्न होना।
अंग मोड़ना	अंगड़ाई लेना। उ०- सब अंग मरोरि मुरी फरि पूरि रही रस में - मधु। ...

(शरीर के भागों का सिकोड़ना। लज्जा से देह छिपाना) २

अंग मोड़ना — छिपाना। अंगड़ाई लेना। उ०- अंग मोरति भोर उठी छिति पूरति अंग सुगंध फकोरन। व्यंग्यार्थ। पीछे हटना। भागना। नटना। बचना। उ०- रे पतंग निःशंक जल, जलत न मोड़े अंग। पहिले तो दीपक जलै, पीछे जलै पतंग।

अंग लगना — लिपटना। आलिंगन करना। छाती से लगना। शरीर को पुष्ट करना। शरीर को बलवान करना। (भोजन का) काम में आना। हिलना। पचना। परचना।

अंग लगाना — लगाना। आलिंगन करना। छाती से लगाना। लिपटाना। ~~परिरम्भण~~ परिरंभण करना। उ०- परनारी पैनी छुरी कोउ नहिं लावो अंग। हिलाना। परचाना। विवाह देना। विवाह में देना। अपने शरीर के आराम में खर्च करना। अंगीकार करना। (अंगड़ाई लेते समय किसी के कन्धे पर हाथ रखकर अपनी भार को देह देना (जो आम तौर पर अशुभ समझा जाता है))

अंगड़ाई तोड़ना — आलस्य में बैठे रहना। कुछ काम न करना।

~~अंगाकड़ी~~ अंगाकड़ी करना — बाटी तैयार करना। बाटी पकाना।

अंगाकड़ी लगाना — बाटी तैयार करना। बाटी पकाना।

अंगारा बनना — ~~खा-पीकर लाल होना। मोटा ताजा होना। क्रोध में भरना।~~ गुस्से से, क्रोध में लाल हो जाना।

अंगारा हो जाना — गुस्से से, क्रोध में लाल हो जाना।

अंगारा होना — गुस्से से क्रोध से लाल होना। ~~गुस्से में होना~~।

~~अंगारे~~ अंगार (रे) उगलना — कड़ी कड़ी बातें मुंह से निकालना। ऐसी बात बोलना जिससे सुनने वाले को अत्यन्त क्रोध उत्पन्न हो। जली कटी सुनाना।

अंगारा फांकना — ऐसा काम करना जिसका फल बहुत बुरा हो।

अंगारा बरसना — अत्यधिक ~~अत्यन्त अधिक~~ गरमी पड़ना। लू चलना। दैवी आपत्ति आना। (आग बरसना)

अंगारों पर पैर रखना — जान-बूझकर हानिकारक कार्य करना। अपने को खतरे में डालना। जमीन पर पैर न रखना ~~इतराकर चलना~~। इतराना।

अंगारों पर लोटना	अत्यन्त रोष प्रकट करना। आग बबूला होना। फल्लाना। डाह से जलना। ईर्ष्या से व्याकुल होना। तड़पना। विकल होना। क्रोध या ईर्ष्या से जलना।
अंगारों पर लोटाना	जलाना। तड़पाना।
अंगूठा चूमना	खुशामद करना। सेवा-शुश्रूषा करना। अधीन होना। वशीवर्ती होना। सम्मान या अति विनय प्रकट करना।
अंगूठा चूसना	बड़ा होकर बच्चे का सा नासमझी का काम करना।
अंगूठा दिखाना	किसी वस्तु को देने से अवज्ञापूर्वक नाहीं करना। किसी कार्य को करने से हट जाना। किसी कार्य का करना अस्वीकार करना। चिढ़ाना। किसी को तुच्छ समझने का भाव दिखाते हुए, नाहीं करना।
अंगूठे पर मारना	तुच्छ समझना। परवाह न करना।
अंगूठे पर लेना	तुच्छ समझना। परवाह न करना।
अंगूठे पर होना	तुच्छ होना।
अंगूर खट्टा होना	किसी वस्तु को पा सकने की असमर्थता छिपाने के लिए उसे अवांछनीय ठहराना।
अंगूर तड़कना	भरते हुए घाव पर बंधी हुई मांस की फिल्ली का अलग हो जाना।
अंगूर फूटना	भरते हुए घाव पर बंधती हुई मांस की फिल्ली का अलग हो जाना।
अंगूर बंधना	घाव के ऊपर मांस की नई फिल्ली चढ़ना। घाव भरना।
अंगूर भरना	घाव के ऊपर मांस की नयी फिल्ली चढ़ना। घाव भरना।
अंचरा पसारना	किसी बड़े या देवता से कुछ मांगते समय (स्त्रियों का) अपने अंचल को आगे फैलाना जिससे दीनता और उद्वेग सूचित होता है। विनती करना। दीनता दिखाना। उदा० विधना तो सौं अंचरा पसारि...

किसी बड़े या देवता से कुछ मांगते समय (स्त्रियों का) अपने अंचल को आगे फैलाना जिससे दीनता और उद्वेग सूचित होता है। विनती करना। दीनता दिखाना। विधना तो सों अंचरा पसारि

मांगों अंचल, जनम दीजो याही ब्रज बसिबो—गीत।भीख मांगने की एक मुद्रा।कोई वस्तु लेने के लिए देनेवाले के सामने अंचल रोपना।दीनता और विनय के साथ मांगना।

अंचल थामना	सहायता या सहारा देना।
अंचल पकड़ना	सहायता या सहारा देना।
अंचल बांधना	संकल्प करना।
अंकुर (अंखुआ) मारना	जादू करना।टोना करना। मंत्र प्रयोग करना। उ०- मेरे अंकुर मारि परान लियै,सुध लाग रही मुह बावरिया। गीत।
अंजर पंजर ढीला होना	शरीर के अंग प्रत्यंग का जोड़ों का उखड़ना या हिल जाना।देह का बंद बंद टूटना।शिथिल होना।लस्त होना।
अंजर पंजर निकलना	ठठरी या भीतरी चीजें निकलना।
अंजाम को पहुंचाना	पूरा करना।
अंजाम देना	पूरा करना।
अंजाम निकालना	फल निकालना।
अंजाम पाना	पूरा होना।
अंझा पड़ना	सूना या नागा होना। खाली जाना।
अंझा होना	सूना या नागा होना।
अंटागुड़गुड़ होना	बेखबर सो जाना।
अंटाचित होना	स्तम्भित होना। अवाक होना। सन्न होना। बेकाम होना। बरबाद होना। किसी काम का न रह जाना। नशे में बेसुध होना। बेहवास होना। अचेत होना।
अंटी करना	माल उड़ा लेना।धोखा देकर कोई वस्तु ले लेना।शरारत करना।सूत लपेटकर अंटी बनाना।
अंटी देना	गरदनी देना।
अंटी पर चढ़ना	धोखा खा जाना।
अंटी मारना	जुआ खेलते समय कौड़ी को उंगलियों के बीच में छिपा लेना।दांव बचाकर धीरे

धीरे से दूसरे की वस्तु खिसका लेना। धोखा देकर कोई वस्तु उड़ा लेना। कम तौलना। डांड़ी मारना।

अंटी में रखना — टेंट या मुर्री में खोंसना।

अंटी रखना — छिपा रखना। दबा रखना। प्रकट न होने देना।

अंडा खटकना — अंडा फूटना। अंडे का तड़कना।

अंडा ढीला होना — नस ढीली होना। थकावट आना। शिथिल होना। द्रव्यहीन होना। दिवालिया होना। कमजोर या बीमार होना।

अंडा फूटना — अंडे से बच्चे का बाहर आना।

अंडा लड़ाना — एक तरह का जुआ।

अंडा सरकना — हाथ पैर हिलना। अंग डोलना। हाथ पैर उठना। चेष्टा या प्रयत्न होना।

अंडा सरकाना — हाथ पैर हिलाना। अंग डोलाना। हाथ पैर उठाना।

अंडे का शाहजादा — वह व्यक्ति जो कभी घर से बाहर न निकलता हो। वह जिसे अनुभव न हो।

अंडे बच्चे — सन्तान।

अंडा सेना — पक्षियों का अपने अंडों पर गर्मी पहुंचाने के लिए बैठना। घर में बैठे रहना। बाहर न निकलना।

अंत आना — नाश या मृत्यु समय आना। पूर्ति पर पहुंचना।

अंत करना — मार डालना। समाप्त करना। इति श्री करना।

अंत जानना — फल जानना।

अंत जाना — दूसरे स्थान जाना।

अंत देखना — परिणाम देखना।

अंत पाना — भेद पाना। पता पाना। पार पाना। मन का भाव जानना।

अंत बनना — अन्तिम भाग का अच्छा होना। फल अच्छा होना। जीवन लीला की समाप्ति का अच्छा होना। परिणाम अच्छा होना।

अंत बिगड़ना	अन्तिम या पिछले भाग का बुरा होना। फल बुरा होना। परिणाम बुरा होना।
अंत लेना	भेद लेना। मन का भाव जानना। मन छूना।
अंत होना	खतम होना। पूर्ण होना। मर जाना।
अंतड़ी गले में पड़ना	~~किस~~ किसी आपत्ति में फंसना।
अंतड़ी जलना	कुलकुलाना। पैट जलना। बहुत भूख लगना।
अंतड़ी टटोलना	रोग की पहिचान के लिए पैटको दबाकर देखना।
अंतड़ियां मिलना	एक होना।
अंतड़ियों का बल खोलना	बहुत दिनों के बाद भोजन मिलने पर खूब पैट भर खाना।
अंतड़ियों में बल पड़ना (आना)	अंतड़ियों का ऐंठना या दुखना। पैट में दर्द होना।
अंतरपट साजना	छिपकर बैठना। सामने न होना। ओट में रहना।
अंतर करना	भेदभाव करना।
अंतर रखना	भेदभाव रखना।
अंदाज ~~उड़ा ले जा~~ उड़ाना	दूसरे की चाल ढाल पकड़ना। पूरी तरह नकल करना।
अंधा कुआँ	सूखा कुआँ। वह कुआँ जिसमें पानी न हो और जिसका मुँह घास पात से ढका हो। लड़कों का एक खेल।
अंधा घोड़ा	साधू फकीर लोग जूते को कहते हैं।
अंधा झोपड़ा	पैट। उदर।
अंधा तारा	नेपचून। तारा।
अंधा दीया	वह दीपक जो धुंधला या मंद जलता हो। धुंधले प्रकाश का दीपक।
अंधा बनना	जान-बूझकर किसी बात पर ध्यान न देना। बेवकूफ बनना। धोखा खाना।
अंधा बनाना	आंख में धूल डालना। बेवकूफ बनाना ठगना। धोखा देना।

अंधा आईना — धुंधला शीशा। वह दर्पण जिसमें चेहरा साफ दिखाई न देता हो।

पृष्ठ 5 के नीचे देखिये

अंधा भैंसा	लड़कों का एक खेल।
अंधी खोपड़ी का	नासमझ। मूर्ख।
अंधी सरकार	राज्य जिसका प्रबन्ध बुरा हो। मालिक जो अपने नौकरों का वेतन समय पर न देता हो।
अंधे की लकड़ी	एकमात्र आधार, सहारा, आसरा। एक लड़का जो कई बच्चों में बचा हो। इकलौता लड़का।
अंधे की ~~काठी~~ लाठी	एकमात्र आधार, सहारा, आसरा। एक लड़का जो कई बच्चों में बचा हो। इकलौता लड़का।
अंधे को चिराग दिखाना	व्यर्थ का कार्य करना
अंधे कोठे का	मूर्ख। विचार शून्य। बेवकूफ।
अंधे झोपड़े में आग लगना	भूख लगना।
अंधेरा छा जाना	अत्याधिक अंधकार होना। बहुत बड़ी हानि आदि के एकाएक होने पर कुछ दिखाई न देना।
अंधेरा छोड़ना	प्रकाश के सामने से हटना।
अंधेरा पाख या पक्ष	कृष्ण पक्ष या बदी।
अंधेरी कोठरी	पेट। गर्भ। धरन। कोख। गुप्त भेद। रहस्य।
अंधेरी कोठरी का यार	गुप्त प्रेमी।
अंधेरी डालना	आँख मूंदकर दुर्गति करना। ~~किसी की आंखों को~~ मूंदकर उसकी दुर्गति करना। धोखा देना। आंख में धूल डालना। धोखा देना।
अंधेरी देना	आँख मूंदकर दुर्गति करना। धोखा देना। आँख में धूल डालना।
अंधेरे उजेले	~~अबेर सबेर~~। समय कुसमय। वक्त बेवक्त।
अंधेरे घर का उजाला	अत्यन्त कान्तिमान। कुल दीपक। अत्यन्त सुन्दर। सुलक्षण। शुभ ~~लक्षणवाला~~। वंश की मर्यादा बढ़ानेवाला। इकलौता बेटा।
अंधेरे मुंह	सूर्योदय के पहले जब मनुष्य एक दूसरे का मुंह अच्छी ~~अच्छी~~ तरह न देख सकते हों। बड़े तड़के। बड़े सबेरे ~~सबेरे~~। पौ फटते, उजाला होने के पहले।
अंधों की आंख	अत्यन्त प्रिय वस्तु।
अंबर के तारे छिगना	आकाश से तारे टूटना। असम्भव बात का होना। उ०- अंबर के तारे छिगें, जूआ लादें बैल पानी में दीपक बलै, चलै तुम्हारी गैल।
अकड़कर चलना	सीना उभारकर चलना।
अकड़ जाना	लड़ना। ऐंठ जाना। गर्व चूर होना।

अकड़ दिखाना	घमंड दिखाना।
अकड़ निकालना	घमंड दूर करना।
अकड़ में आना	हठ में आना। घमंड में आना।
अकड़ रखना	हठ करना। घमंड रखना।
अकबक करना	प्रलाप करना।
अगर मगर करना	हुज्जत करना। तर्क करना। आगा पीछा करना। बहाना करना। आना कानी करना। टाल-मटोल करना।
अक्ल अंधी होना	बे अक्ल होना।
अक्ल आना	समझ आना। समझ होना।
अक्ल का कसूर ~~होना~~ होना।	अक्ल की कमी होना। बुद्धि का दोष।
अक्ल का काम करना	समझ में आना।
अक्ल का काम न करना	कुछ समझ में न आना। ~~अति मूर्ख। बेवकूफ।~~
~~अक्ल का दुश्मन~~	
~~अक्ल का पूरा~~	~~(व्यंग्य) मूर्ख। जड़।~~
अक्ल का चक्कर में आना	विस्मित या चकित होना। हैरान होना। कुछ समझ में न आना।
अक्ल का चरने जाना	समझ ~~का~~ जाती रहना। बुद्धि का अभाव होना। अक्ल का काम न देना। बुद्धि नष्ट होना।
अक्ल का चिराग गुल होना	अक्ल जाती रहना।
अक्ल का दुश्मन	~~मूर्ख~~ मूर्ख। बेवकूफ। अति ~~मूर्ख। बेवकूफ।~~
~~अक्ल का दुश्मन~~	
अक्ल का पुतला	बहुत बुद्धिमान।
अक्ल का पूरा	मूर्ख। जड़। बुद्धू (व्यंग्य)। ~~मूर्ख। बुद्धू (व्यंग्य)।~~
अक्ल का फतूर	अक्ल की कमी।
अक्ल का मारा	मूर्ख।
अक्ल का मोल लाना	किसी समझदार से राय लेना।

अक्ल की कोताही	बुद्धि की कमी।
अक्ल की पुड़िया	बुद्धिमती।
अक्ल के घोड़े दौड़ाना	तरह-तरह अनेक प्रकार की कल्पना करना।
अक्ल के तोते उड़ जाना	होश ठिकाने न रहना।
अक्ल के नाखून लेना	समझकर बात करना।
अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरना	हर समय बुद्धि विरुद्ध कार्य करना। बेवकूफी करना। नासमझी के काम करना।
अक्ल के बखिये उधेड़ना	बुद्धि नष्ट कर देना।
अक्ल को बालाय ताक करना	समझ को हटाकर बेसमझी करना।
अक्ल खर्च करना	समझ को काम में लाना। सोचना-समझना।
अक्ल खो देना	समझ का लोप होना।
अक्ल गुम होना	बुद्धि का लोप हो जाना। अक्ल काम न करना अक्ल मारी जाना।
अक्ल चकराना	विस्मित या चकित होना। हैरान होना।
अक्ल जाती रहना	घबड़ा जाना।
अक्ल ठिकाने होना	होश में आना।
अक्ल देना	समझाना-बुझाना। ~~सिखा देना।~~
अक्ल दौड़ाना	बुद्धि का प्रयोग करना। सोचना। विचारना। गौर करना।
अक्ल पर पत्थर पड़ना	अक्ल जाती रहना।
अक्ल पर परदा पड़ना	बुद्धि का लोप होना। समझ का काम न करना। उ०- पूछा जो उनसे बी कहो पर कहां गया, बोली जनाब मर्दों की अक्ल पर पड़ गया। अक्ल जाती रहना।
अक्ल भिड़ाना	बुद्धि का प्रयोग करना। सोचना। विचारना। गौर करना।

अक्लमंद की दुम	मूर्ख(व्यंग्य)।
अक्ल मारी जाना	बुद्धि नष्ट होना।हतबुद्धि होना।
अक्ल लड़ाना	बुद्धि का प्रयोग करना।सोचना। विचारना। ~~घबड़ा जाना।~~
अक्ल सठियाना	बुद्धि भ्रष्ट होना।बुद्धि जीर्ण होना।
अक्ल से काम लेना	समझ बूझकर बुद्धि से काम करना।
अक्ल से दूर होना	समझ में न आना।
अक्ल से बाहर होना	समझ में न आना।
अक्लों गद्दा लगाना	अटकलबाजी करना।
अक्स उतारना	हूबहू नक्शा बनाना।फोटो खींचना।
अक्स छाना	रंग उतर जाना।
अक्स लेना	किसी तसवीर पर बारीक कागज रखकर खाका लेना।
अक्षर घोंटना	अक्षर लिखने का अभ्यास करना।
अक्षर से भेंट न होना	मूर्ख रहना।अनपढ़ रहना।बिलकुल अपढ़ होना।
अखाड़ा गरम होना	ज्यादा भीड़ होना।
अखाड़ा जमना	खेलवाड़ियों ~~खिलाड़ियों~~ का अखाड़े में जमा होना और दर्शकों की भीड़ लगना।किसी जगह बहुत से आदमियों का जमा होना।
अखाड़े का जवान	कसरती ~~कसरती~~ बदन का आदमी।
अखाड़े में आना	मुकाबिले में खड़ा होना।
अखाड़े में उतरना	मुकाबिला करने के लिए अखाड़े में अ[illegible]
अख्ज़ाह करना	ग्रहण करना।अर्थ या नतीजा निक[illegible] से बात निकालना।
अख्तर चमकना	नसीब जागना।भाग्य का उदय हो[illegible]

दना

दे

हना।

अगर मगर करना — हुज्जत करना। तर्क करना। आगा पीछा करना।
टाल-मटोल करना। बहाना करना।

मनभर। यथेष्ट।

अच्छा

अच्छे आना	ठीक या उपयुक्त अवसर पर आना। ठीक उतरना। सुन्दर बनना।
अच्छा करना	अच्छा काम करना। तंदुरुस्त करना। आफत से बचाना।
अच्छा कहना	प्रशंसा करना।
अच्छा घर	सम्पन्न घर। प्रतिष्ठित कुल।
अच्छा दिन	सुख-सम्पत्ति का दिन।
अच्छा पहरा	ऐसा पहरा जिसमें आरम्भ किया हुआ कार्य शीघ्र पूरा हो जाय।
अच्छा बीच्छा	दुरुस्त। भला चंगा।
अच्छा रहना	अच्छी दशा में रहना। लाभ में या आराम में रहना।
अच्छा लगना	भला जान पड़ना। सजना। सोहना। सुन्दर लगना। रुचिकर होना। पसन्द आना।
अच्छी कटना	आराम से दिन बीतना।
अच्छी गुजरना	आराम से दिन बीतना।
अच्छी बीतना	अच्छी तरह बीतना। आनन्द से दिन कटना। आराम से दिन बीतना।
अच्छे अच्छे	बड़े आदमी।
अच्छे थान का घोड़ा	अच्छी जाति का घोड़ा। प्रसिद्ध स्थान का घोड़ा।
अच्छे वक्त	जरूरत के वक्त। आवश्यकता के समय।
अच्छे से पाला पड़ना	बड़े बेढब आदमी से वास्ता पड़ना।
अच्छे आलों गुजरना	आराम से दिन बीतना।
अज़ान देना	ऊंचे स्थान पर खड़े होकर ऊंचे स्वर से नमाज के समय की सूचना देना। मुर्गे का बांग देना
अज़ाब मोल लेना	अकारण कष्ट, झंझट में पड़ना।
अज़ीज़ करना	प्यार जानना।
अज़ीज़ जानना	कद्र करना। प्यार समझना, चाहना।

अज़ीज़ रखना — कद्र करना। प्यार समझना, चाहना।

अज़ीज़ होना — प्यार होना। (किसी चीज के) देने में क संकोच होना।

अजीरन होना — भारी, दूभर होना। कठिन होना।

अटकन-बटकन खेलना — बेकार काम करना।

अटवाटी खटवाटी लेकर पड़ना — खिन्न और उदासीन होकर अलग रहना। रूठ कर अलग बैठना।

अटेरन कर देना — दांव में डालकर चकरा देना। दम न लेने देना।

अटेरन फेरना — घोड़े को कावा फेरना।

अटेरन होना — हड्डी हड्डी निकलना। अत्यन्त दुर्बल होना।

अठखेलियां करना — किलोल करना। इतराकर, नाज के साथ चलना।

अड्डे पर आना — अपने स्थान पर पहुंचना।

अड्डे पर चहकना — अपने स्थान पर रौब दिखाना।

अड्डे पर बोलना — स्थान विशेष पर ही बोलना।

अड़ंगा डालना — अड़चन डालना। होते हुए कार्य में बाधक होना।

अड़ंगा मारना — विघ्न डालना।

अड़ंगा लगाना — अड़चन डालना। होते हुए कार्य में बाधक होना।

अड़तल पकड़ना — पनाह लेना। शरण में आना। बहाना करना।

अड़तल लेना — पनाह लेना। शरण में आना। बहाना करना।

अड़िया करना — जहाज के लंगड़ की रस्सी खींचना।

अता करना — देना।

अता फरमाना — देना।

अता होना — मिलना।

अतिसार होकर निकलना — दस्त के रास्ते निकलना। किसी न किसी प्रकार नष्ट होना।

अथाह में पड़ना	कठिनाई में पड़ना।
अदब करना	लिहाज़ करना।
अदब की जगह	वह व्यक्ति या वस्तु जिसका अदब करना। आवश्यक हो।
अदम का रास्ता लेना	परलोक सिधारना।मरना।
अदम को सिधारना	परलोक सिधारना।मरना।
अदहन देना	अदहन का पानी आग पर चढ़ाना।
अदा करना	पालन करना।पूरा करना।
अदालत करना	मुकदमा लड़ना।
अधर का त्रिशंकु करना	बीच में अटका देना।कहीं का न रखना।
अधर चबाना	क्रोध के कारण दांतों से ओंठ दबाना।उ०- तदपि क्रोध नहिं रोक्यो जाई।मए अरुन चख अधर चबाई। मन्नालाल। अत्यन्त क्रुद्ध होना।
अधर में झूलना	अधूरा रहना।पूरा न होना।पशोपेश में पड़ना। दुविधा में पड़ना।अनिश्चय की दशा में पड़ा रहना।
अधर में पड़ना	अधूरा रहना।पूरा न होना।पशोपेश में पड़ना। दुविधा में पड़ना।अनिश्चय की दशा में पड़ा रहना।
अधर में लटकना	अधूरा रहना।पूरा न होना।पशोपेश में पड़ना। दुविधा में पड़ना।अनिश्चय की दशा में पड़ा रहना।
अधिया पर उठाना	खेत या गायादि के बच्चे को आधे साझे पर देना।
अधिया पर देना	देहातों में बेचने की रीति जिसके अनुसार अनाज के आधे के बराबर बेचने वाला अपनी चीज देता है।
अधूरा जाना	असमय गर्भपात होना।
अघौड़ी तनना	अघाना। खूब पेट भर खाना। ~~अघाना।पेट खूब भर जाना।~~
अघौड़ी तानना	खूब पेट भरकर खाना। ~~पेट खूब भर जाना।~~छककर खाना।
अनकहा होना	चुपचाप होना।

अनकही देना	अवाक् रहना। चुपचाप होना। उ०- मो मन उनही कौ भयौ। परयौ प्रभु उनके प्रेमकोश में तुमहिं बिसरि गयौ। तिनहिं देखि बैसाई ह्वै गयौ लग्यौ उनहि मिलि गावन। समुझि परी षटमास बीते तें कहां हुतौ हौं आयौ। सूर वे अनकही दै गोपिन सौं श्रवन मूदिं उठि धायौ। सूर ।
अनमल ताकना	अहित चाहना।
अनी का हाथ	सामने की चोट।
अनी की चोट	सामने की चोट।
अनी पर अनी चाटना	ग्लानी के कारण अनी चाटकर आत्महत्या करना।
अनसुनी करना	आनाकानी करना। ध्यान न देना। जान बूझकर उपेक्षा करना।
अनुकूल चलना	इच्छानुसार या आज्ञानुसार चलना।
अनुकूल जाना	पक्ष में हो जाना।
अनुकूल होना	प्रसन्न या पक्ष में होना।
अन्न जल उठना	रहने का संयोग या सहारा न होना।
अन्यथा करना	उलटा करना। झूठ बनाना। पहले की आज्ञा या निश्चय रद्द करना।
अन्यथा होना	विपरीत होना। असत्य होना।
अपना करना	अपना बनाना। अपने अनुकूल कर लेना। मित्र बना लेना।
अपना काम करना	प्रयोजन निकालना।
अपना किया पाना	किये को भुगतना। कर्म का फल पाना।
अपना घर समझना	आराम की जगह समझना। संकोच का स्थान समझना। ऐसा स्थान समझना जहां घर के व्यवहार हो।
अपना देखना	स्वार्थ देखना।
अपना पराया	शत्रु मित्र। स्वजन-परजन।

अपना पराया समझना	यह ज्ञान होना कि कौन अपना है कौन बिराना। शत्रु मित्र, भला बुरा पहचानना। भेद भाव रखना।
अपना पेट काटना	बचाने के लिए कम खाना। जान बूझ कर कम खाना। जिसमें कुछ बचत हो।
अपना बेगाना	शत्रु मित्र। स्वजन-परजन।
अपना मन डोलाना	लालच करना।
अपना राग अलापना	अपनी ही बात कहना। अपना ही विचार प्रकट करना, दूसरों की बातों पर ध्यान न देना।
अपना सा करना	अपने सामर्थ्य या विचार के अनुसार करना। भरसक करना। उ०- बार बार मुहिं कहा सुनावत। नेकु टरत नहीं हिरदय तें विविध भांति मन को समुझावत। दौवल कहा देति मोहिं सजनी तू तो बड़ी सुजान। अपनी सी मैं बहुतै कीन्ही रहति न तेरी आन। सूर।
अपना सा मुंह लेकर रह जाना (लज्जित होना। बेवकूफ बनना।)	~~बेवकूफ बनना। लज्जित होकर रह जाना।~~ किसी कार्य में असफल होने पर लज्जित होना।
अपना ही गीत गाना	अपना ही वृत्तान्त कहना। अपनी ही बात कहना, दूसरे की न सुनना।
अपनी अपनी पड़ना	~~सबको अपनी चिन्ता होना।~~ अपनी अपनी चिन्ता में व्यग्र होना। उ०- पद्माकर कछु निज कथा कासों कहौं बखान। जाति लखौं ता है परी अपनी अपनी आन। पद्माकर।
अपनी औसाना	इतनी अधिक बातें करना कि दूसरे को बात करने का समय ही न मिले। बातों की झड़ी बांधना।
अपनी खंचाना	अपनी ही कही हुई बात को बारम्बार पुष्ट करते जाना, दूसरे के तर्क को कुछ न सुनना। उ०- सुनो धौं दे कान अपनी लोक लौकन कीति। सूर प्रभु अपनी हौं खचाई रही निगमन जीति। सूर।
अपनी खुशी जीना	अपने ही सुख से आनन्दित होना।
अपनी गाना	अपनी ही बात कहना और किसी की न सुनना।
अपनी गुड़िया संवार देना	~~अपनी~~ सामर्थ्य के अनुसार बेटी का ~~ब्याह~~ विवाह करना।

अपनी जांघ उघाड़ना	अपनी बदनामी या कलंक की बात आप प्रकट करना।
अपनी धरन धरना	अपनी बात पर अड़े रहना।हठ या जिद न छोड़ना।
अपनी नींद सोना	अपने इच्छानुसार कार्य करना। अपनी मर्जी से सोना - जागना।
अपनी बात का एक	दृढ़ प्रतिज्ञ।जो अपनी बात पर डटा रहे।
अपनी बात पर आना	हठ पकड़ना।हठ करना।
अपनी बात से टलना	प्रतिज्ञा न पूरी करना।मुकरना।
अपनी मौत मरना	स्वाभाविक ढंग से मरना।प्राकृतिक नियम के अनुसार मरना।
अपनी रुई सूत में उलझना	अपने काम में लगना।अपने काम काज में फंसना
अपनी रुई सूत में लिपटना	अपने काम में लगना।अपने काम काज में फंसना
अपनी सी	अपने भरसक,जहां तक अपने से हो सके,वहां तक।उ०- मैं अपनी सी बहुत करी री। सूर । अपनी इच्छा या शक्ति भर।अपने मन के अनुसार।
अपनी ही गाना	और किसी की बात न सुनना। अपनी ही बात कहते जाना।अपना ही हाल कहना।अपनी ही विचार प्रकट करना।अपने ही मतलब की बात कहना।
अपने आपको भूलना	अपनी अवस्था का ध्यान न रखना।किसी मनोवेग के कारण बेसुध होना।मदान्ध होना।घमंड में चूर होना।
अपने चलते	भरसक।यथाशक्ति।उ०- अपने चलत न आजु लगि,अनभल काहु क कीन्ह। तुलसी ।
अपने तक रखना	किसी से न कहना।किसी को पता न देना।
अपनेपन पर आना, अपने पर आना	अपने दु: स्वभाव के अनुसार काम करना।
अपने मावें	अपने अनुसार।अपनी जान में।
अपने मुंह मियां मिट्ठू बनना	आत्मप्रशंसा करना ~~अपनी प्रशंसा आप करनेवाला।आत्म~~

अपने में आना — आवेश में आना। क्रोध में आना। अपनी मर्यादा के अन्दर रहना।

अपने लिए कांटा बोना — अपने हित की हानि करना।

अपने हिसाब — अपनी समझ के अनुसार। अपनी जान में। अपने विचार में। लेखे में।

अपने हिसाब से — अपनी समझ के अनुसार। अपनी जान में। अपने विचार में। लेखे में।

अपवाद होना — विरुद्ध या पृथक होना।

अब का — इस बार। इस समय का। आधुनिक।

अब की — इस बार। इस दफा।

अब के हैले — इतनी देर पीछे।

अब जाकर — आज-कल करना। टाल-मटोल करना।

अब तब करना — मरने का समय निकट पहुंचना। मरणासन्न होना।

अब तब लगना — मरने का समय निकट पहुंचना। मरणासन्न होना।

अब तब होना — अब कहो क्या करोगे। अब क्या उपाय है। अब तो मेरे वश में हो, अब क्या कर सकते हो।

अब बताओ — इस समय में। इतने पर भी।

अब भी — इस समय से आगे। भविष्य में।

अब से — क्रुद्ध होना। त्योरी चढ़ना।

अबरू पर बल आना — (आघात आदि का) असर न होना। अविचलित रहना।

अबरू पर मैल न आना — निरादर करना। निरादर सूचक बोलना। कच्ची पक्की बोलना। अपमानजनक ढंग से बात करना।

अबे तबे करना

अभय दैना	भय से बचाने का वचन दैना। शरण दैना। निर्भय करना। उ०- ब्रह्मा रुद्र लोकहू गयौ। उनहूं ताहि अभय नहिं दयौ। सूर।
अभय बांह दैना	भय से बचाने का वचन दैना। शरण दैना। निर्भय करना। उ०- चरन नाइ सिर विनती कीन्ही लछिमन अभय बांह तेहि दीन्हीं।
अभिनय करना	नाचना कूदना।
अभी जमीन से उठना	अल्प वयस्क होना।
अमल दरामद होना	काम में लाया जाना।
अमल पानी करना	नशा पीना। भंग पीना।
अमल में आना	निश्चय, आज्ञा आदि का कार्य के रूप में परिणत होना।
अमान मांगना	रक्षा की प्रार्थना करना। त्राहि त्राहि करना।
अरई दैना	ताकीद करना। प्रेरणा करना।
अरई लगाना	ताकीद करना। प्रेरणा दैना।
अरक अरक होना	पसीने में भींग जाना।
अरजी गुजारना	किसी बड़े अधिकारी के सामने प्रार्थनापत्र पेश करना।
अरमान निकालना	इच्छा, कामना की पूर्ति होना।
~~अरमान निकालना~~	~~इच्छा पूरी करना।~~
अरमान भरा	उत्सुक।
अरमान रह जाना	इच्छा का पूरा न होना। मन की बात का मन ही में रहना। लालसा, कामना का अतृप्त रह जाना।
अरसा तंग होना	कठिनाई में पड़ना।
अर्क होना	पसीने से तर हो जाना। लज्जित होना। पानी होना।

अर्श (दिमाग) पर होना	अपने को बहुत बड़ा समझना। अपनी शक्ति सामर्थ्य पर इतराना। बड़े बड़े मनसूबे बांधना।
अलंग पर आना	घोड़ी का मस्ताना।
अलंग पर होना	घोड़ी का मस्ताना।
अलख जगाना	पुकार कर परमात्मा का स्मरण करना या कराना। परमात्मा के नाम पर भिक्षा मांगना।
अलग करना	जुदा करना। दूर करना। हटाना। खसकाना। छुड़ाना। बरखास्त करना। बेच डालना। निपटाना। समाप्त करना। बैलाग। बचा हुआ। रक्षित।
अलग होना	दूर या किनारे होना। संयुक्त परिवार से पृथक होना। नौकरी या काम छोड़ना।
अलच्छन आना	बुरा समय आना।
अलबी तलबी झांटना	योग्यता दिखाना। रौब जमाना। क्रोध दिखाना।
अलबी तलबी धरा रहना	निष्फल कोप होना। रौब सब पड़ा रह जाना।
अलबी तलबी भुलाना	रौब या आतंक का नष्ट कर देना।
अलबी तलबी भूल जाना	रौब या क्रोध का दूर हो जाना।
अलल हिसाब देना	पावने का हिसाब किये बिना कुछ रकम दे देना।
अलारम बजना	खतरे की घंटी बजना।
अलाली आना	अकर्मण्यता आना। सुस्ती आना। निकम्मा हो जाना।
अलाली चढ़ना	अकर्मण्यता आना। सुस्ती आना। निकम्मा हो जाना।
अलाली सवार होना	अकर्मण्यता आना। सुस्ती आना। निकम्मा हो जाना।
अलोला रहना	नमक न खाने का व्रत रखना।
अल्लाह आमीन से पालना	देवता-पितर मनाते हुए बड़े यत्न से प करना।

अवटि डालना — खूब घूम डालना। छान-बीन कर डालना। मथ डालना।

अवटि मरना — भ्रमना। मारे मारे फिरना। चक्कर मारना। दुःख उठाना। उ०- रामचन्द्र रघुनायक तुमसों हौं विनती केहि भांति करौं। जौ आचरण विचारहु मेरो कल्प कोटि लगि अवटि मरौं। तुलसिदास प्रभु कृपा विलोकनि गोपद ज्यों भवसिंधु तरौं। । तुलसीदास ।

अवतार करना — शरीर धारण करना। उ०- अरुन असित सित वपु उनहार। करत जगत में तुम अवतार। सूर ।

अवतार धरना — जन्म ग्रहण करना। उ०- भुव की रक्षा करन जु कारण धरि वराह अवतार। पीछे कपिल रूप हरि धारयो कीन्हो सांख्य विचार। सूर ।

अवतार लैना — शरीर ग्रहण करना। जन्म लैना। उ०- अंसन सहित मनुज अवतारा। लैहउं दिनकर वंस उदारा। तुलसीदास ।

अवधि दैना — ~~समय निर्धारित कर दैना~~। समय नियत कर दैना। मुद्दत बांधना।

अवधि धरना — समय निर्धारित, नियत कर दैना। मुद्दत बांधना।

अवधि बदना — समय नियत करना। अवधि दैना। समय निर्धारित करना। उ०- आज बिनु आनंद को मुख तेरो। निसि बसिबे की अवधि बदी मोहिं सांझ गये कहि आवन। सूर श्याम अनतहि कहुं लुबधे नैन भए दौउ सावन। सूर ।

अवसर चूकना — मौका हाथ से जाने दैना। उ०- अवसर चूकी डोमिनी गावै ताल बेताल। सुयोग का लाभ न उठाना।

अवसर ताकना — उपयुक्त समय की प्रतीक्षा करना। मौका ढूंढना।

अवसर मारा जाना — मौका हाथ से निकल जाना। समय बीत जाना।

उ०- संसारी समय विचारिया क्या गिरही क्या योग। औसर मारा जात है चेतु विराने लोग। कबीर ।

अवसान उड़ना	सुधि-बुधि न रहना। संज्ञा शून्य होना।
अवसान छूटना	होश हवास न रहना।
अवसान जाना	सुधि-बुधि न रहना। संज्ञा शून्य होना।
अव्वल आना	प्रतियोगिता में सर्वप्रथम आना।
अव्वल तो	पहले तो। प्रथमतः ।
अव्वल रहना	प्रतियोगिता में सर्वप्रथम आना।
आवाजा कसना	व्यंग्य कहना। उत्तेजक वाक्य कहना।
अविरथ करना	प्रण छुटाना।
अशुभ चेतना	बुरा चेतना। अमंगल कामना करना।
अशुभ मनाना	बुरा चेतना। शाप देना। अमंगल कामना करना।
अस्ति अस्ति करना	वाह वाह कहना। साधुवाद कहना।
अस्ति अस्ति कहना	वाह वाह कहना। साधुवाद कहना।
अस्ति नास्ति करना	हां नहीं करना। स्पष्ट उत्तर न देना। संदिग्ध बात कहना।
अस्ति नास्ति कहना	हां नहीं करना। स्पष्ट उत्तर न देना। संदिग्ध बात कहना।
अस्ति नास्ति में डालना	सन्देह में छोड़ना। द्विविधा में डालना।
असामी बनाना	अपने मतलब पर चढ़ाना। ~~अपनी गौं का बनाना।~~ अपनी गौं का बनाना ।

साथ
ा लेन

आंख	ध्यान। लक्ष्य। विचार। विवेक। परख। शिनाख्त। कृपादृष्टि। मुरौवत। सन्तति। सन्तान। लड़कावाला। उ०- सौगिन मर गई आंख छोड़ गई।
आंख आना	आंख में लाली, पीड़ा और सूजन होना।
आंख ओट पहाड़ ओट	जब आंख के सामने नहीं तब क्या दूर क्या नजदीक। सामने न होने पर दूर नजदीक एकसा होना।
आंख उठना	आंख आना। आंख में लाली और पीड़ा होना।
आंख उठाकर न देखना	ध्यान न देना। तिरस्कार करना। सामने न ताकना लज्जा व संकोच से बराबर दृष्टि न करना।
आंख उठाना	ताकना। देखना। सामने नजर करना। बुरी नजर देखना। बुरा बर्ताव करना। हानि पहुंचाने की चेष्टा करना। शत्रु भाव से देखना।
आंख उलट जाना	पुतली का ऊपर चढ़ जाना। आंख पथरा जाना (यह मरने के समय होता है)। घमंड से नजर बदल जाना। घमंड होना। अभिमान होना।
आंख ऊंची न होना	लज्जा से बराबर ताकने का साहस न होना। लज्जा से दृष्टि नीची रहना। नजर बराबर न करना।
आंख ऊपर न उठाना	लज्जा या भय से सामने न देखना।
आंख कडुआना	अधिक ताकने या जागने से आंखों में पीड़ा होना
आंख करकना	आंख दुखना या पीड़ा करना।
आंख का अंधा गांठ का पूरा	मूर्ख धनवान। अनाड़ी मालदार।
आंख का अंधा नाम नयनसुख	नाम-गुण में विरोध। काले को गोरा कहना।
आंख का कांटा	खटकना। पीड़ा देना। कंटक होना। कार्य में शत्रु। जिसे देखकर कष्ट हो।
आंख का काजल चुराना	गहरी चोरी करना। बड़ी सफाई के साथ करना। सामने या पास की वस्तु चुरा लेना।

आंख का कोया	आंख का उभरा हुआ सफेद भाग जिस पर पुतली रहती है।
आंख का जाला	आंख का एक रोग जिसमें पुतली पर एक सफेद झिल्ली जिसके कारण धुंध दिखाई देता है।
आंख का ढेला	आंख का बट्टा। आंख का उभड़ा हुआ सफेद भाग जिस पर पुतली रहती है।
आंख का तारा	आंख का तिल। कनीनिका। प्रिय व्यक्ति। संतति।
आंख का तिल	आंख का तारा। कनीनिका। प्रिय व्यक्ति।
आंख का तेल निकालना	आंखों को कष्ट देना। ऐसा महीन काम करना जिसमें आंखों पर बहुत जोर पड़े।
आंख का परदा	आंख के भीतर की झिल्ली। जिससे होकर प्रकाश आता है।
आंख का परदा उठना	ज्ञान-चक्षु का खुलना। अज्ञान या भ्रम का दूर होना। चेत होना।
आंख का पानी ढल जाना	लज्जा छूट जाना। लाज, शर्म का जाता रहना। निर्लज्ज या बेहया हो जाना।
आंख कान खुला रहना	सचेत रहना। सावधान रहना। होशियार रहना।
आंख किरकिराना	आंख दुखना। दृष्टि जमाना। टकटकी बंधना।
आंख की किरकिरी	आंख का कांटा। चक्षुशूल। खटकनेवाली वस्तु या व्यक्ति।
आंख की ठंडक	प्रिय व्यक्ति या वस्तु।
आंख की पुतली	आंख के भीतर के परदे का वह भाग जो बाहर से काला दिखाई देता है। अति प्रिय व्यक्ति। प्यारा मनुष्य।
आंख की पुतली फिरना	आंख की पुतली का चढ़ जाना। पुतली का स्थान बदलना। आंख का पथराना (यह मरने के पूर्व का लक्षण है)।
आंख की बदी भौं के आगे	किसी के दोष को उसके इष्ट मित्र या भाई बन्धु के सामने कहना।
आंख के सामने नाचना	अन्तःकरण में प्रत्यक्ष के समान प्रतीत होना। ध्यान में ज्यों का त्यों होना। स्मृति में बना रहना।

आंख खटकना — आंख टीसना।आंख किरकिराना।उ०- कुमकुम मारी गुलाल,नंद जू के कृष्णलाल,जाय कहूंगी कंसराज से आंख खटक मोरी मुई है लाल।होली।

आंख खुलना — पलक खुलना।परस्पर मिली या चिपकी हुई पलकों का अलग हो जाना।नींद टूटना।भ्रम दूर होना।दिमाग पर तरोताजगी पहुंचना।चेत होना।ज्ञान होना।चित्त स्वस्थ होना। तबीयत ठिकाने आना।

आंख खुलवाना — आंख बनवाना।मुसलमानों के विवाह की एक रीति जिसमें दुलहा दुलहिन के बीच एक दर्पण रक्खा जाता है और वे उसमें एक दूसरे का मुंह देखते हैं।

आंख खोलना — पलक उठाना।ताकना।आंख बनाना।आंख का जाला या मांडा निकालना।चेताना।सावधान करना।ज्ञान का संचार करना।वास्तविक बोध करना।ज्ञान का अनुभव करना।वाकिफ होना। सावधान होना।उ०- माइ बंधु औ कुटुंब कबीला झूठे मित्र गिनावै।आंख खोल जब देख बावरे। सब सपना कर पावै। कबीर ।सुध में होना। स्वस्थ होना।

आंख गड़ना — आंख किरकिराना।आंख दुखना।आंख धंसना।आंख बैठना।दृष्टि जमना।टकटकी बंधना।बड़ी चाह होना।प्राप्ति की उत्कट इच्छा होना।

आंख गड़ाना — टकटकी बांधना।स्तब्ध दृष्टि से ताकना।नजर रखना।प्राप्ति की इच्छा करना। टकटकी लगाकर देखना।

आंख चढ़ना — नशे, नींद या पीड़ा से पलकों का तन जाना और नियमित रूप से न गिरना। आंखों का लाल और प्रफुल्लित होना।

आंख चमकाना — आंखों से ~~तरह तरह के इशारे~~ करना।आंख की पुतली इधर उधर घुमाना।आंख मटकाना।

आंख चरना जाना — दृष्टि का जाता रहना।

आंख चीर चीरकर देखना — खूब आंख खोलकर देखना।उत्सुकता से देखना।

आंख चुराकर कुछ करना — छिपकर कोई काम करना।

आंख चुराना — नजर बचाना।कतराना।सामने

से बराबर न ताकना। दृष्टि नीची करना। रुखाई करना। ध्यान न देना। बे-मुरौवत हो जाना।

आंख चूकना — नजर चूकना। दृष्टि हट जाना। असावधानी होना (गाफिल होना)

आंख छत से लगना — आंख ऊपर को चढ़ना। आंख टंगना। आंख स्तब्ध होना। आंख का एकदम खुली रहना। (यह मरने के पूर्व की अवस्था है)। टकटकी बंधना।

आंख छिपाना — नजर बचाना। कतराना। टाल मटोल करना। लज्जा से बराबर न ताकना। दृष्टि नीची करना। रुखाई करना। ध्यान न देना। बे-मुरौवत हो जाना।

आंख जमना — नजर ठहरना। दृष्टि का स्थिर रहना।

आंख जाना — आंख फूटना।

आंख झपकना — आंख बन्द होना। पलक गिरना। नींद ~~आना~~ आना। झपकी लगना।

आंख झेंपना — दृष्टि नीची होना। ~~लज्जा मालूम~~ लज्जित होना।

आंख झपकाना — आंख मारना। इशारा करना।

आंख टंगना — आंख ऊपर को चढ़ जाना। आंख की पुतली का स्तब्ध होना। आंख का एकदम खुली रहना। (यह मरने के पूर्व का लक्षण है)। टकटकी ~~बंधना~~ बंधना।

आंख टेढ़ी करना — भौं टेढ़ी करना। रोष दिखाना। आंखें बदलना। रुखाई करना। बे-मुरौवती दिखलाना।

आंख टोरना — लज्जा आदि से दृष्टि हटाना या अलग करना। आंख मोड़ना। दृष्टि छिपाना। उ०- सूर प्रभु के चरित सखियन कहत लोचन टोरि। सूर।

आंख डालना — दृष्टि डालना। देखना। ध्यान देना। चाह करना। इच्छा करना।

आंख तरसना — देखने के लिए आकुल होना। दर्शन के लिए दुखी होना।

आंख दबाना — पलक सिकोड़ना। आंख मचकाना।

आंख दिखाना — क्रोध से आंखें निकालकर देखना। क्रोध की दृष्टि से देखना। कोप जताना। उ०- बादहिं सूद्र द्विजन्ह सन हम तुम्ह ते कछु घाटि। जानइ (ब्रह्म) सो विप्र वर आंख दिखावहिं डांटि। तुलसी । (ख) सुनि सरोष भृगुनायक आये। बहुत भांति तिन आंखि दिखाये। तुलसी । (ग) तुलसी रघुवर सेवकहि खल डाटत मन माखि। बाजराज के बालकहि लवा दिखावत आंखि। तुलसी ।

आंख दीदे से डरना — ईश्वर से डरना जो पापियों को अंधा और नकटा कर देता है। पाप से डरना जिससे आंख जाती रहती है।

आंख न उठाना — नजर न उठाना। सामने न देखना। बराबर न ताकना। लज्जा से दृष्टि नीची किये रहना। किसी काम में बराबर लगे रहना।

आंख न खोलना — आंख बन्द रखना। सुस्त पड़ा रहना। बेसुध होना। बादल का घिरा रहना। पानी का न थमना। वर्षा का न रुकना।

आंख न ठहरना — चमक या द्रुतगति के कारण दृष्टि न जमना।

आंख न पसीजना — आंख में आंसू न आना।

आंख नाक से डरना — ईश्वर से डरना जो पापियों को अंधा और नकटा कर देता है। पाप से डरना जिससे आंख जाती रहती है।

आंख निकालना — आंख दिखाना। क्रोध की दृष्टि से देखना। आंख के ढेले को पुतली से काटकर अलग कर देना। आंख फोड़ना।

आंख नीची करना — दृष्टि नीची करना। सामने न ताकना। संकोच से बराबर नजर न करना। दृष्टि से दृष्टि न मिलाना।

आंख नीची होना — सिर नीचा होना। लज्जा उत्पन्न होना। प्रतिष्ठा में बाधा होना।

आंख नीली-पीली करना — गुस्सा दिखाना।धमकाना।

आंख पटपटा जाना — आंख फूट जाना (स्त्रियां गाली देने में अधिक बोलती हैं)।

आंख पट्टम होना — आंख फूट जाना।

आंख पड़ना — दृष्टि पड़ना।नजर पड़ना।ध्यान जाना।कृपादृष्टि होना।चाह की दृष्टि होना।कुदृष्टि पड़ना। पाने की इच्छा होना।

आंख पथराना — पलक का नियमित रूप से न गिरना और पुतली की गति का मारा जाना।नेत्र स्तब्ध होना (यह मरने के पूर्व का लक्षण है)।

आंख पसारना — दूर तक दृष्टि बढ़ाकर देखना।नजर दौड़ाना।

आंख फड़कना — आंख की पलक का बार बार हिलना।वायु के संचार से आंख की पलक का बार बार फड़फड़ाना। (दाहिनी या बांई आंख के फड़कने से लोग भविष्य के शुभ अशुभ का अनुमान करते हैं)।

आंख फाड़ना — खूब आंख खोलकर देखना।उत्सुकता से देखना।

आंख फाड़ फाड़कर देखना — आश्चर्य या औत्सुक्य भाव के साथ देखना। खूब आंख खोलकर देखना

आंख फूटना — आंख का जाता रहना।आंख की ज्योति का नष्ट होना।बुरा लगना।कुढ़न होना।देखकर जलना।

आंख फेरना — निगाह फेरना।नजर बदलना।पहिले की सी कृपा या स्नेह दृष्टि न रखना।मित्रता तोड़ना विरुद्ध होना।वाम होना।प्रतिकूल होना।

आंख फैलाना — दृष्टि फैलाना।दीठ पसारना।दूर तक देखना।नजर दौड़ाना।

आंख फोड़ना — आंख नष्ट करना।आंख की ज्योति का नाश करना।कोई ऐसा काम करना जिससे आंख पर जोर पड़े।

आंख बंद कर(कोई काम करना):- बिना ~~पूछे ताछे~~ सोचे समझे कोई काम करना। बिना जांच पड़ताल किये कोई काम करना। बिना ~~आगा पीछा किये कोई काम करना~~। दूसरी बातों की ओर ध्यान न देकर अपना काम करना। अन्य बातों की परवाह न करके अपना ~~नियत कर्तव्य~~ काम करना। किसी के कुछ कहने सुनने की परवाह न करके अपना काम करना।

आंख बंद होना — आंख झपकना। पलक गिरना। मृत्यु होना। ज्ञान होना न होना।

आंख बचाकर कोई काम करना — इस रीति से कोई काम करना कि दूसरा न देख पावे। छिपाकर कोई काम करना।

आंख बचाना — नजर बचाना। सामना न करना। कतराना। आंख चुराना।

आंख बचे का ~~चंटा~~ चांटा — लड़कों का एक खेल जिसमें यह बाजी लगती है कि जिसे असावधान देखे उसे चांटा लगावे।

आंख बनवाना — आंख का जाला कटवाना। आंख का माड़ा निकलवाना। आंख की चिकित्सा करना।

आंख बनाना — मोतियाबिंद आदि का शल्योपचार करना।

आंख बराबर करना — आंख मिलाना। सामने ताकना। मुंह पर बात चीत करना। सामने डट कर बात चीत करना। ढिठाई करना।

आंख बराबर होना — दृष्टि सामने होना। नजर से नजर मिलाना।

आंख बहाना — आंसू बहाना। रोना। उ०- धाय नहीं घर, दायं परी, जुरि आई खिलायक आंख बहाऊं। पौरियै आवै रतौंधी इतै पर ऊंचो सुनै सो महा दुख पाऊं। केशव।

आंख बिगड़ना — दृष्टि कम होना। नैत्र की ज्योति घटना। आंख में पानी उतरना या जाला इत्यादि पड़ना। नजर कम होना। आंख उलटना। आंख पथराना। आंख लाल होना।

आंख बिछाना — ~~प्रेम से आदरपूर्वक स्वागत करना। प्रेम पूर्वक प्रतीक्षा करना। बाट जोहना। टकटकी बांधकर राह देखना।~~ (आदरपूर्वक स्वागत करना।)

आंख बैठना	आंख का भीतर की ओर धंस जाना। चोट या ~~रोग से आंख का ढेला गड़ जाना। आंख फूटना।~~ चोट आदि के कारण आंख का नष्ट हो जाना। क्योंकि आघात लगना।
आंख भर आना	आंख में आंसू आना।
आंख भर देखना	खूब अच्छी तरह देखना। तृप्त होकर देखना। अघाकर देखना। इच्छा भर देखना। उ०- गाज परै ऐसी यहि लाज पै री अंखिया भरि देखन हू नहिं पाई। बड़े स्नेह से देखना।
आंख भर लाना	आंसू भर लाना। आंख डबडबाना। रोवांसा हो जाना।
आंख भौं टेढ़ी करना	आंख दिखाना। क्रोध की दृष्टि से देखना। तेवर बदलना।
आंख मचकाना संकेत	आंख खोलना और फिर बंद करना। पलकों को सिकोड़कर गिराना। इशारा करना। सैन मारना।
आंख मलना	सोकर उठने पर आंखों को जल्दी खुलने के लिए हाथ से धीरे धीरे रगड़ना।
आंख मारना	इशारा करना। सनकारना। पलक मारना। आंख मटकाना। आंख से निषेध करना। इशारे से मना करना।
आंख मिलना	साक्षात्कार होना। देखादेखी होना। नजर से नजर मिलना। प्रेम होना। प्रीति होना।
आंख मिलाना	आंख सामने करना। बराबर ताकना। नजर मिलाना। सामने आना। सम्मुख होना। मुंह दिखाना। बराबरी के भाव से देखना।
आंख मुंदना	आंख बन्द होना। आँख झपकना। मृत्यु होना।
आंख मूंदकर (कोई काम) करना	बिना पूछे ताछे कोई काम करना। बिना आगा पीछा किये कोई काम करना।
आंख ~~मूंद लेना~~ मूँदना	आंख बन्द करना। पलक गिराना। मरना। ध्यान न देना। उ०- मूंदहु आंख कतहुं कोउ नाहीं। तुलसी।

आंख में आंख डालना

~~आंख से~~ आंख मिलाना।बराबर ताकना।ढिठाई से ताकना। क्रूर ध्यानपूर्ण दृष्टि से देखना

आंख में करकना

बुरा लगना।आंख में गड़ना।

आंख में खटकना

~~नजरों में~~ बुरा ~~लगना~~ मालूम होना।अच्छा न लगना।

आंख में गड़ना

आंख में खटकना।बुरा लगना।मन में बसना।जंचना।पसन्द आना।ध्यान पर चढ़ना।~~अति प्रिय या अप्रिय लगना~~।उ०- जाहु भले हो, कान्ह,दान अंग अंग को मांगत ।हमरो यौवन रूप आंख इनके गड़ि लागत। सूर ।

आंख में घर करना

इतना पसन्द आना कि उसका ध्यान सदा बना रहे।प्रिय होना।प्रेमपात्र होना।

आंख में घुमना

आंख में धंसना।आंख में खटकना।~~नजरों में~~ बुरा लगना।दृष्टि में जंचना।ध्यान पर चढ़ना।पसन्द आना।

आंख में ~~चोब~~ चोल आना

चोट ~~आदि~~ आदि लगने से आंख में ललाई आना।

आंख में बसना

ध्यान पर चढ़ना।हृदय में समाना।किसी वस्तु का इतना प्रिय लगना कि उसका ध्यान ~~चि~~ चित्त में हर समय बना रहे।

आंख मोड़ना

निगाह फेरना।नजर बदलना।पहिले की सी कृपा या स्नेह दृष्टि न रखना।मित्रता तोड़ना।विरुद्ध होना।वाम होना।प्रतिकूल होना।

किसी पर आंख रखना

नजर रखना।चौकसी करना।~~व~~ चाह रखना।इच्छा रखना।~~अफसोस~~ आसरा रखना।भलाई की आशा रखना।

आंख लगना

नींद आना।झपकी आना।सोना।उ०- जब जो... वे सुधि कीजिये,तबतब सब सुधि जाहिं। ... आंखिन आंख लगी रहै,आंखें लागत नाहिं। बिहारी। प्रीति होना।दिल लगना।~~उ०- (क) चोप~~ उ०- (क) प्यार लौं तरवार लौं पर काहू सों काहू की आंख लगै ना। (ख) ना खिन टरत टारे,आंखि न लगत ...

किसी से प्रीति होना	पर, आंखि न लगी री श्यामसुंदर सलोने से।देव। टकटकी लगना।दृष्टि जमना।उ०- पलक आंख तेहि मारग,लागी दुनहु रहाहिं।कोउ न संदेसी आवहि,तेहिक संदेस कहाहिं। जायसी ।
आंख लगाना	टकटकी बांधकर देखना।प्रीति लगाना।नेह जोड़ना।
आंख लगी	जिससे आंख लगी हो।प्रेमिका।सुरैतिन।उढ़री ।
आंख लड़ना	देखा देखी होना।आंख मिलना।घूरा घूरी होना नजरबाजी होना।प्रेम होना।प्रीति होना। प्रेम दृष्टि से देखना।
आंख लड़ाना	आंख मिलाना।घूरना।नजरबाजी करना।
आंख ललचाना	देखने की प्रबल इच्छा होना।
आंख लाल करना	आंख दिखाना।क्रोध की दृष्टि से देखना।क्रोध करना।
आंख लाल पीली करना	गुस्सा दिखाना।धमकाना।
आंख वाला	जिसे आंख हो।जो देख सकता हो।परखवारा। पहिचानवाला।जानकार।चतुर।
आंख सामने न करना	सामने न ताकना।नजर न मिलाना।दृष्टि बराबर न करना (लज्जा और भय से प्रायः ऐसा होता है)।सामने ताकने या वाद प्रतिवाद करने का साहस न करना।मुंह पर बात का करने की हिम्मत न करना।
आंख सामने न होना	लज्जा से दृष्टि बराबर न होना।शर्म से नजर मिलना।
आंख सेंकना	सौन्दर्य दर्शन का सुख उठाना।नेत्रानंद लेना। सुन्दर रूप देखना।नज्जारा करना।
आंख से आंख मिलाना	सामने ताकना।दृष्टि बराबर करना।नजर लड़ाना।साहस करना।बराबरी करना।
आंख से उठाना	सादर स्वीकार करना।

आंख से गिरना	नजरों से गिरना। दृष्टि में तुच्छ ठहरना।
आंख से भी न देखना	ध्यान भी न देना। तुच्छ समझना।
आंख होना	पहल होना। पहिचान होना। शिनाख्त होना। नजर गड़ना। इच्छा होना। चाह होना। ज्ञान होना। विवेक होना। उ०- देखो राम कैसो कहि कैद कियो, किये बूजिये कृपाल हनुमान जू दयाल हो, ताहि समय फैलि गये कोटि कोटि कपि नये लोचे तनु लैवे थीर भयो यों विहाल हो।----- भई तब आंखें दुख सागर को चाहें, अब वही हमैं राखैं, भाखैं कारौं धन माल हौं। प्रिया।
आंखें घुलना	चार आंखें होना। लव पुरा पुरी होना। दृष्टि से दृष्टि मिलना। आंख से आंख प्रेमपूर्वक मिलना। उ०- छबीले दृग घुरि घुरि हंसि मुरि जात। । नागरी ।
आंखें चढ़ना	नशे, नींद या सिर की पीड़ा से पलकों का तन जाना और नियमित रूप से न गिरना। आंखों का लाल और प्रफुल्लित होना। क्रोध आना। नशा हो जाना।
आंखें चार करना	देखा देखी करना। सामने आना।
आंखें चार होना	देखा देखी होना। सामना होना। एक दूसरे का दर्शन होना। विघा का होना।
आंखें ठंडी होना	तृप्ति होना। सन्तोष होना। मन भरना। इच्छा पूरी होना।
आंखें डबडबाना	आंखों में आंसू भर आना। आंख में आंसू लाना। आंसू भरना।
आंखें ढकर ढकरे करना	पलकों की गति ठीक न रहना। आंखों का तिलमिलाना।
आंखें तरेरना	क्रोध से आंखें निकालकर देखना। क्रोध भरी दृष्टि से देखना। उ०- सुनि लछिमन बिहसे बहुरि नयन तरेरे राम। तुलसीदास।

आंखें दुखना	आंखों में पीड़ा होना।
आंखें दो चार होना	सामना होना।
आंखें दौड़ाना	नजर दौड़ाना।दीठ पसारना।चारों ओर दृष्टि फेरना।इधर उधर देखना।
आंखें नचाना	चंचलतापूर्वक आंखों की पुतलियों को इधर व उधर घुमाना।
आंखें नीली पीली करना	बहुत क्रोध करना।तेवर बदलना।आंख दिखलाना।
आंखें फटना	चोट या पीड़ा से यह मालूम पड़ना कि आंखें निकली पड़ती हैं।आंखें बढ़ना।आंखों की पलक का फैलाना।उ०- दौरत धौरे ही मैं थकियै, थहरै पग,आवत जांघ खटी सी।होत घरी घरी छीन खरी स कटि,और है पास सुबास बटी सी ---- हे रघुनाथ। बिलोकिबे को तुम्हैं आई न सैलन सोच परी सी। मैं नहिं जानति हाल कहा यह काहे ते जाति है आंखि फटी सी। । रघुनाथ ।
आंखें फिर जाना	नजर बदल (तरल) जाना।पहिले की सी कृपा या स्नेह दृष्टि न रहना।चित्त में विरोध उत्पन्न हो जाना।मन में बुराई आना।चित्त में प्रतिकूलता आना। (बे मुरौवत होना)
आंखें बदल जाना	पहिले की सी कृपादृष्टि या स्नेहदृष्टि न रह जाना।पहिले का सा व्यवहार न रह जाना। नजर बदल जाना।बरताव में रूखापन आना। उ०- वो निकल गई आंख बदल गई।आकृति प क्रोध दिखाई देना।क्रोध की दृष्टि होना।रि चढ़ना।
आंखें सेंकना	सुन्दर रूप देखकर आंखें तृप्त करना।नजार करना।
आंखें गुद्दी में चली जाना	सुझाई न देना।देख न पड़ना।समझ में आना।किसी वस्तु के प्रत्यक्ष होते हुए भूल न देखना या न समझना या न मानना।

आंखें में गुदी में होना	सुझाई न देना। देख न पड़ना। समझ में न आना। किसी वस्तु के प्रत्यक्ष होते हुए भी उसे न देखना। उसे न समझना या न मानना।
~~आंखों की सूइयां निकालना~~	किसी काम के कठिन और अधिक भाग के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पूरा ~~हो~~ जाने पर उसके शेष, अल्प और सरल भाग को पूरा करके सारा श्रेय ~~लेने का उद्योग करना~~।
आंखों के आगे अंधेरा छाना	मस्तिष्क पर आघात लगने या कमजोरी से नजर के सामने थोड़ी देर के लिए कुछ न दिखाई देना। बेहोशी होना। मूर्छा आना।
आंखों के आगे अंधेरा होना	संसार सूना दिखाई देना। विपत्ति या दुःख के समय अपने को असहाय पाकर घोर निराश होना। मूर्छित होना।
आंखों के आगे चिनगारी छूटना	आंखों का तिलमिलाना। तिलमिली लगना। मस्तिष्क पर आघात पहुंचने से चकाचौंध सा लगना। चोट आदि के कारण चकाचौंध होना।
आंखों के आगे नाचना	ध्यान पर चढ़ा रहना। स्मृति में बना रहना। सामने दृश्य मौजूद होना।
आंखों के आगे पलकों की बुराई	किसी के इष्ट मित्र के आगे ही उसकी निंदा करना।
आंखों के आगे फिरना	ध्यान पर चढ़ा रहना। स्मृति में बना रहना। सामने दृश्य मौजूद होना।
आंखों के आगे रखना	~~आंखों~~ के सामने रखना।
आंखों के डोरे	आंखों के सफेद भाग पर (डोरे) लाल रंग की बहुत बारीक नसें।
आंखों के तारे छूटना	आंखों का तिलमिलाना। तिलमिली लगना। मस्तिष्क पर आघात पहुंचने से चकाचौंध सा लगना। चोट आदि के कारण चकाचौंध होना।
आंखों के सामने नाचना	ध्यान पर चढ़ा रहना। स्मृति में बना रहना। दृश्य सामने रहना।
आंखों के सामने रखना	निकट रखना। पास से जाने न देना।

आंखों के सामने होना	सम्मुख होना।आगे आना।
आंखों को रो बैठना	आंखों को खो देना।अंधे होना।
आंखों तले न लाना	कुछ न समझना।तुच्छ समझना।
आंखों देखते	आंखों के सामने।देखते हुए।जान बूझकर।देखते देखते।थोड़े ही दिनों में।
आंखों देखा हुआ	आंखों से देखा हुआ।अपना देखा।उ०- जल में उपजे जल में रहे।आंखों देखा खुसरो कहे। । पहेली- काजल ।
आंखों पर आइये	आदर के साथ आइये।सादर पधारिये।
आंखों पर ठिकरी रख लेना	जान बूझकर अनजान बनना।ख्वाई करना।शील न करना।गुण न मानना।उपकार न मानना। कृतघ्नता करना।लज्जा खो देना।निर्लज्ज होना।
आंखों पर पट्टी बांध लेना	दोनों आंखों के ऊपर से कपड़ा ले जाकर सिर के पीछे बांधना जिससे कुछ दिखाई न पड़े।आंखों को ढकना।आंख बन्द करना।ध्यान न देना।
आंखों पर परदा पड़ना	अज्ञान का अन्धकार छाना।प्रमाद होना।भ्रम होना।विचार का जाता रहना।विवेक का दूर होना।कमजोरी से आंखों के सामने अंधेरा छाना। सुझाई न देना।~~समझ बात भी दिखाई न देना।~~
आंखों पर पलकों का बोझ न होना	अपनी चीज का रखना भारी मालूम नहीं होना।अपने कुटुम्बियों को खिलाना पिलाना नहीं खलता।काम की चीज मंहगी नहीं मालूम होती।
आंखों पर बिठाना	बहुत आदर सत्कार करना।आव भगत करना।
आंखों पर बैठाना	आदर के साथ रखना।
आंखों पर रखना	बहुत प्रिय करके रखना।बहुत आराम से रखना।
आंखों में	दृष्टि में।नजर में।परख में।अनुमान में।
आंखों में काजल घुलना	काजल का आंखों में खूब लगना।

आंखों में खून उतरना	क्रोध से आंखें का लाल होना। रिस चढ़ना।
(किसी की) आंखों में घर करना	आंखों में बसना। हृदय में समाना। ध्यान पर चढ़ना। किसी को मोहना या मोहित करना।
आंखों में चढ़ना	नजर में जंचना। पसन्द आना।
आंखों में चरबी छाना	घमंड, बेपरवाही या असावधानी से सामने की चीज न दिखाई देना। प्रमाद से किसी वस्तु की ओर ध्यान न जाना। मदान्ध होना। गर्व से किसी किसी की ओर ध्यान न देना। अभिमान में चूर होना।
आंखों में चुभना / चुभना	नजर में खटकना। बुरा लगना। आंखों में जंचना। पसन्द आना। आंखों पर गहरा प्रभाव डालना।
आंखों में चोब या आना	चोट आदि के कारण आंखों का लाल होना।
आंखों में भाई पड़ना	आंखों का पकना। आंखों का थक जाना। उ०- आंखड़ियाँ भाई परीं, पंथ निहारि निहारि। जीभड़ियां छाला पर्यो, राम पुकारि पुकारि। । कबीर ।
आंखों में टेसू, तीसी या सरसों फूलना	चारों ओर एक ही रंग दिखाई देना। जो बात जी में समाई हुई है उसी का चारों ओर दिखाई पड़ना। जो बात ध्यान में चढ़ी है चारों ओर वही सूझना। नशा होना। तरंग उठना। मस्ती आना।
आंखों में तकला चुभाना / आंखों में तरावट आना	आंख फोड़ना। / आंखों में ठंडक आना। तबीयत ताजी होना।
आंखों में धूल भोंकना	सरासर धोखा देना। भ्रम में डालना। उ०- मैया री। मैं जानति वाको। पीत उढ़निया जो मेरी लै गई लै आनो घरि ताको। हरि की माया कोउ न जानै आंखि धुरि सी दीनी। लाल ढिगनि की सारी ताको पीत उढ़नियां कीनी। । सूर ।
आंखों में धूल डालना	सरासर धोखा देना। भ्रम में डालना।
आंखों में धूल देना	सरासर धोखा देना। भ्रम में डालना।
आंखों में नाचना	ध्यान पर रहना। स्मृति में बना रहना। दृश्य सामने रहना।

मैया री। मैं जानति वाको। पीत उढ़नियां जो मेरी लै गई लै आनो घरि ताको। हरि की माया कोउ न जानै आंखि धुरि सी दीनी। लाल ढिगनि की सारी ताको पीत उढ़नियां कीनी। सूर।

अनुकूल

केरी

त

आंखों में नील की सलाई फिरवाना — आंखें फोड़वा डालना।

आंखों में नून राई — आंखें फूटें। (स्त्रियां उन लोगों के लिए बोलती हैं जो उनके बच्चों को नजर लगावें। किसी बच्चे को नजर लगाने का सन्देह होने पर वे उसके चारों ओर राई नमक घुमाकर आग में झोंकती हैं)।

आंखों में नीन देना — आंख फोड़ना।

आंखों में पालना — बड़े सुख-चैन से पालना। बड़े लाड़-प्यार से पालन-पोषण करना।

आंखों में फिरना — ध्यान पर चढ़ा रहना। स्मृति में बना रहना।

आंखों में बसना — दिल में घर कर लेना।

आंखों में बैठना — नजर में पड़ना। पसन्द आना। आंखों पर गहरा प्रभाव डालना। आंखों में धंसना।

आंखों में भंग घुटना — आंख पर भांग का खूब नशा छाना। गहागहड नशा होना। भंग के नशे में होना।

आंखों में रखना — लाड़ व प्यार से रखना। प्रेम से रखना। सुख से रखना। उ०- रानी मैं जानी अजानी महा पवि पाहन हू ते कठोर हियो है। राजहु काज अकाज न जान्यो कह्यो तिय को जिन कान कियो है। ऐसी मनोहर मूरति ये बिछुरे प्रीतम लोग जियो है। आंखिन में, सखि। राखिबे जोग इन्हें किमि बनवास दियो है। तुलसी। सावधानी से रखना। यत्न और रक्षापूर्वक रखना।

आंखों में रात काटना — किसी कष्ट, चिन्ता या व्यग्रता से सारी रात जागते बीतना। रात भर नींद न पड़ना।

आंखों में रात काटना — किसी कष्ट, चिन्ता या व्यग्रता के कारण जागकर रात बिताना।

आंखों में शील होना — चित्त में कोमलता होना। दिल में मुरौव्वत होना।

आंखों में समाना	हृदय में बसना। ध्यान पर चढ़ना। चित्त में स्मरण बना रहना। दिल में घर कर लेना।
आंखों लगना	आंखों में लगना। ऊपर पड़ना। ऊपर आना। शरीर पर बीतना। उ०- यशोदा तेरो चिरजीवै गोपाल। बेगि बढ़ौ बल सहित वृद्ध लट महरि मनोहर बाल। उपजि परयो यहि कोख कर्मवश मुंदी सीप ज्यों लाल। या गोकुल के प्राण जीवन धन बैरिन के उर साल। सूर कितो मन सुख पावत है देखे श्याम तमाल। रज आरति लगौं मोरी अंखियन रोग दोख जंजाल। सूर।
आंखों सुख कलेजे ठंडक	पूरी प्रसन्नता। चैन खुशी (जब किसी की बात को लोग प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करते हैं तब यह वाक्या बोलते हैं)।
आंखों से औझल होना	नजर से गायब होना। सामने से दूर होना।
आंखों से ओट होना	दृष्टि से छिप जाना।
आंखों से उतरना	नजरों से गिरना। दृष्टि में नीचा ठहरना।
आंखों से काम करना	इशारों से काम निकालना।
आंखों से कोई काम करना	बहुत प्रेम और भक्ति से कोई काम करना।
आंखों से गिरना	आंखों से उतरना। नजरों से गिरना। दृष्टि में तुच्छ ठहरना।
आंखों से चिनगारी छूटना	क्रोध से आंखें लाल लाल होना।
आंखों से लगाकर रखना	बहुत ~~प्रिय करके~~ प्रेम से रखना। बहुत आदर सत्कार से रखना।
आंखों से लगाना	प्यार करना। चूम लेना।
आंच आना	~~कुछ~~ हानि होना। कष्ट या आघात पहुंचना या अपकार होना।
आंच खाना	गरमी पाना। आंच पर चढ़ना। ताव खाना। आवश्यकता से अधिक पकना। आंच पर पकाया जाना।
आंच दिखाना	आग के सामने रखकर गरम करना।

आंचल दबाना
आंचल देना — दूध पिलाना। बच्चे को दूध पिलाना, विवाह की एक रीति आंचल से हवा करना

आंच देना	
आंच पहुंचाना	गरम करना।
आंचर बांधना	गरमी देना।चोट या हानि पहुंचाना।
(किसी के आगे)आंचल बोड़ना	स्मरण के लिए अंचल में गांठ बांधना।
	कुछ मांगने के लिए दीनतापूर्वक कपड़े का पल्ला फैलाना।
आंचल डालना	मुसलमान लोगों में विवाह की एक रीति (जब दूल्हा दुलहिन के घर में जाने लगता है तब उसकी बहिन दरवाजे से उसके सिर पर आंचल डालकर उसे घर में ले जाती है।इसका नेग बहिन को मिलता है)।
आंचल दबवाना	दूध पीना। ~~बच्चे को दूध पिलाना। विवाह की एक~~ ~~दूध पीना। स्तन मुंह में डालना।~~
आंचल देना	बच्चे को दूध पिलाना।विवाह की एक रीति (जब बारात वर के यहां से चलने लगती है तब दूल्हे की मां उसके ऊपर आंचल डालती है और काजल लगाती है,इस रीति को आंचल देना कहते हैं)।आंचल से हवा करना।
आंचल पड़ना	आंचल छू जाना। (स्त्रियां बच्चे पर आंचल पड़ना बुरा समझती हैं और कहती हैं कि इससे बच्चों ~~की~~ की देह फूल जाती है)।
आंचल पल्लू	कपड़े के एक छोर पर टका हुआ ~~चौड़ा~~ चौड़ा ठप्पेदार पट्ठा।
आंचल फाड़ना	बच्चे के जीने के लिए टोटका करना (जिस स्त्री के बच्चे नहीं जीते या जो बांझ होती है वह किसी बच्चेवाली स्त्री का आंचल घात पाकर कतर लेती है और उसे जलाकर खा जाती है स्त्रियों का विश्वास है कि ऐसा करने से जिसका आंचल कतरा जाता है उसके बच्चे तो मर जाते हैं और जो आंचल कतरती है उसके बच्चे जीने लगते हैं)।

आं

आंचल में बांधना — हर समय साथ रखना। प्रतिक्षण पास रखना। कपड़े के छोर में इस अभिप्राय से गांठ देना कि समय पर कोई बात उसको देखने से याद आ जाय।

आंचल में बात बांधना — किसी कही हुई बात को अच्छी तरह स्मरण रखना। कभी न भूलना। दृढ़ निश्चय करना। पूरा विश्वास रखना।

आंचल में सात बातें बांधना — टोटका करना। जादू करना।

आंचल लेना — किसी स्त्री का अपने यहां आई हुई स्त्री का आंचल छूकर सत्कार या अभिवादन करना। किसी स्त्री का अपने से बड़ी स्त्री का आंचल से पैर छूना। पांव छूना। पांव पड़ना।

आंचल संभालना — आंचल ठीक करना। शरीर को अच्छी तरह ढकना।
उ०- फुलवा बिनत डार डार गोपिन के संग कुमार चंद्रबदन चमकत वृषभानु की लली। है है चंचल कुमारि अपनो अंचल संभार आवत व्रजराज आज बिनन को कली।

आंट पर चढ़ना — दांव पर चढ़ना।

आंटी काटना — गिरह काटना। जेब काटना।

आंत उतरना — एक रोग जिसमें आंत ढीली होकर नाभि के नीचे उतर आती है और अंडकोश में पीड़ा उत्पन्न होती है।

आंतें कुलकुलाना — भूख के मारे बुरी दशा होना। अत्यन्त भूखा होना। भूख लगना।

आंतें गले आना — नाकों दम होना। जंजाल में फंसना। तंग होना

आंतें बोलना — भूख से पेट कुलकुलाना। पेट बोलना।

आंतें मुंह में आना — नाकों दम होना। जंजाल में फंसना। तंग होना। आंतों में बल पड़ना।

आंतें समेटना — भूख सहना।

आंतें सूखना — भूख के मारे बुरी दशा होना।

आंतों का बल खुलना	पेट भरना। भोजन से तृप्ति होना। बहुत देर तक भूखे रहने के उपरान्त भोजन मिलना।
आंतों का बल खुलवाना	पेट भर खिलवाना।
आंतों में बल पड़ना	पेट में बल पड़ना। पेट ऐंठना।
आंधी उठना	बवंडर होना। प्रबल आन्दोलन होना। हलचल मचना।
आंधी उठाना	हलचल मचाना। धूम धाम मचाना।
आंधी की तरह तेज	किसी काम को फटपट करनेवाला। चुस्त। चालाक।
आंधी होना	बहुत तेज चलना।
आंसू गिराना	रोना।
आंसू डबडबाना	आंसू निकलना। रोने की दशा होना।
आंसू ढालना	आंसू गिराना। रोना। उ०- परगट ढारि सकै नहिं आंसू। घुट घुट मांस गुपुत होय नासू। जायसी। (ख) नारि चरित की ढारह आंसू। तुलसी।
आंसू तोड़	कुसमय की वर्षा (ठग)।
आंसू थमना	आंसू रुकना। रोना बन्द होना। उ०- थमते थमते थमेंगे आंसू। रोना है यह हंसी नहीं है। मीर।
आंसू पीकर रह जाना	भीतर ही भीतर रोकर रह जाना। अपनी व्यथा को रोकर प्रकट न करना।
आंसू पुंछना	आश्वासन मिलना। ढाढस बंधना।
आंसू पोंछना	बहते हुए आंसू को कपड़े से सुखाना। ढाढस बंधाना। दिलासा देना। आश्वासन देना।
आंसू भर आना	आंसू निकल पड़ना।
आंसू भर लाना	रोने लगना।
आंसू रोना	रक्त शोषक दुःख से रोना।
आंसुओं का तार बंधना	बराबर आंसू बहना।

आंसुओं से मुंह धोना	बहुत आंसू गिरना। बहुत रोना। अत्यन्त विलाप करना।
आ जाना	पड़ जाना। स्थित होना।
आ टपकना	एक बारगी आ पहुंचना। अकस्मात आकर उपस्थित होना।
आ धमकना	(एकाएक) आ पहुंचना। तुरन्त आ जाना। देखते देखते उपस्थित होना। अचानक ~~पहुंचना~~ (अचानक उपस्थित हो जाना)
आ निकलना	एकाएक पहुंच जाना। अनायास आ जाना।
आ ~~पड़ना~~ पड़ना	सहसा गिरना। एकबारगी गिरना। आक्रमण करना। (अनिष्ट घटना का) घटित होना। संकट, कठिनाई या दुःख ~~का~~ उपस्थित होना। उपस्थित होना। एकबारगी आना। डेरा जमाना। टिकना। विश्राम करना। सहसा आ पहुंचना।
(किसी की) आ बनना	~~किसी को~~ लाभ उठाने का अच्छा अवसर हाथ आना। स्वार्थ साधन का मौका मिलना। किसी पर विपत्ति पड़ना। उ०- आन बनी सिर आपने छोड़ पराई आस।
आ रहना	गिर पड़ना।
आ लगना	किसी ठिकाने पर पहुंचना। (इस क्रिया पद का प्रयोग जड़ पदार्थों के लिए होता है, चेतन के लिए नहीं)। आरम्भ होना। पीछे लगना। साथ होना।
आ लेना	पास पहुंच जाना। पकड़ लेना। आक्रमण करना। टूट पड़ना।
आई	आई हुई मृत्यु। आई हुई विपत्ति।
आईना होना	स्पष्ट होना। अनायास समझने में आने योग्य होना।
आईने में मुंह देखना	अपनी योग्यता ~~को~~ जांचना। (अपनी योग्यता परख लेना) (यह मुहावरा ... उस समय बोला जाता है जब कोई व्यक्ति

व्यक्ति अपनी योग्यता से अधिक काम करने की इच्छा प्रकट करता है)।

आए गये होना	खो जाना। नष्ट हो जाना। व्यर्थ खर्च होना।
आए दिन	प्रतिदिन। नित्य प्रति। रोज रोज। आजकल।
आओ	जिस काम को हम करने जाते हैं उसमें योग दो।
आक की बुढ़िया	मदार का चूआ। बहुत बूढ़ी स्त्री।
आकबत बिगड़ना	परलोक बिगड़ना।
आकबत में दिया दिखाना	परलोक में काम आना।
आकाश उठाना	बड़ा उपद्रव करना।
आकाश उठाना की ओर आकाश की ओर	क्षितिज। क्षितिज।
आकाश खुलना	आसमान साफ होना। बादल हटना।
आकाश चूमना आकाश छूना	बहुत ऊंचा होना। बहुत ऊंचे तक जाना। बहुत ऊंचा होना।
आकाश पाताल एक करना	भारी उद्योग प्रयास करना। आन्दोलन करना। हलचल करना। धूम मचाना। कठिन परिश्रम करना।
आकाश पाताल का अन्तर	बहुत बड़ा अन्तर। बहुत फर्क।
आकाश बांधना	अनहोनी बात कहना। असम्भव बात कहना। उ०- जब दधि बेचन जाहिं तब मारग रोकि रहै। ग्वालिनि देखत धाइ री अंचल आनि गहै।--- कहा कहत डरपाइ कछु कछू मेरी नाहिं जैहैं। तुम बांधत आकाश बात झूठी को सैहैं। सूर।
आकाश में चढ़ना	अति करना। कल्पना क्षेत्र में घूमना। असम्भव कार्य करना। उ०- तुलसी चढ़न आकास।
आकाश से बातें करना	बहुत ऊंचा होना। बढ़कना। लट... बादल से बातें करना।
आखोर, आखीर की भरती	निकम्मों का समूह। निकम्मी चीजों का ढेर। अटाला। अटाला।
आग उखाड़ना (गड़ी हुई)	भूली हुई, जली भुनी बात की याद दिलाना। निपटे हुए झगड़े को फिर उठाना।
आग उगलना	जलाने या दुखाने वाली बुरी बातें कहना या उंडेलना। कहना। मर्म भेदी बातें कहना। तीखी और कड़ी बातें कहना।

...उत्पन्न बात ... विरोध ... पात ... केर ... ओश होना ... करना ... न

आग उठाना	झगड़ा उठाना। कलह या उपद्रव उत्पन्न करना। दबी वेदना को जगाना।
आग उभाड़ना	पुरानी, भूली हुई बैरी और क्रोध या झगड़ा उत्पन्न करने वाली बात छेड़ना।
आग कंजियाना	आग का ठंढा होना। दहकते हुए कोयले का फिर ठंढा होकर काला पड़ जाना।
आग का पुतला	क्रोधी। चिड़चिड़ा।
आग को भड़काना	आग को प्रज्वलित करना। लड़ाई बढ़ाना। जोश बढ़ाना। क्रोध और शोक आदि भावों को उद्दीप्त करना।
आग का बाग	सुनार का अंगीठा। आतशबाजी।
आग के मोल	बहुत मंहगा।
आग खाना अंगार हगना	जैसी करनी वैसी भरनी।
आग गाड़ना	कंडे की आग को राख में सुरक्षित रखना।
आग जोड़ना	आग सुलगाना। अहरा जलाना।
आग फंवाना	आग का ठंढा होना। दहकते हुए कोयले का फिर ठंढा होकर काला पड़ जाना।
आग फाड़ना	पत्थर या चकमक से आग बनाना।
आग दबाना	क्रोध या झगड़ा दबा देना।
आग दिखाना	आग लगाना। जलाने के लिए आग छुलाना। तोप में बत्ती देना।
आग देना	चिता में आग लगाना। दाह-कर्म करना। आतशबाजी में आग लगाना। आग लगाना। जलाना। फूंकना। उ०- लागी कंठ आग दै होरी। छार भई जरि अंग न मोरी। जायसी। बरबाद करना। नष्ट करना। तोप में बत्ती देना। रंजक पर पलीता छुलाना।
आग धोना	हुक्का भरने के लिए अंगारों के ऊपर से राख दूर करना।
आग निकलना (आंखों से)	अति कुपित होना।
आग निकालना	जैसा करना वैसा पाना।

ा। ा। ार जो क ा उत्पन्न बात विरोध नुकूल उत्पात केरा करी जोश हो करना या उदे न

आग पर आग डालना	जले को जलाना। दुःख पर दुःख होना। उ०- विरह आग पर मेलै आगी। विरह घाव पर घाव विजागी। केशव।
आग पर पानी डालना	क्रोध के समय शीतल वचन कहना। झगड़ा शान्त करना। क्रुद्ध को शांत करना। लड़ने वालों को समझाना बुझाना।
आग पर लोटना	बेचैन होना। विकल होना। तड़पना। डाह से जलना। ईर्ष्या करना।
आग पानी का बैर	स्वाभाविक शत्रुता। जन्म का बैर। सहज बैर।
आग फांकना	व्यर्थ की बकवाद करना। बात बघारना। झूठी शेखी हांकना। डींग मारना।
आग फूंक देना	जलन उत्पन्न करना। गरमी पैदा करना।
आग फूंकना	क्रोध उत्पन्न करना। रिस लाना। क्रुद्ध करना।
आग फूस का बैर	स्वाभाविक शत्रुता। जन्म का बैर। सहज बैर।
आग फैलना	बुराई या बावेला फैलाना।
आग बनाना	आग सुलगाना।
आग बबूला बनना	क्रोध के आवेश में होना। अत्यन्त कुपित होना।
आग बबूला होना	क्रोध के आवेश में होना। अत्यन्त कुपित होना। गुस्से से लाल होना।
आग बरसना	बहुत गरमी पड़ना। लू चलना। गोले-गोलियों की बौछार होना। कड़े कठोर वचन कहना।
आग बरसाना	शत्रु पर खूब गोले-गोलियां चलाना। की वर्षा करना।
आग बुझा लेना	कसर निकालना। बदला लेना।
आग बोना	आग लगाना। उ०- योगी आहि वियोगी कोई। तुम्हरे मंडप आगि जिन बोई। जायसी। चुगली खोरी करके झगड़ा या उत्पात खड़ा करना।
आग भड़कना	आग का धधकना। लड़ाई उठना। उत्पात खड़ा होना। हलचल मचना। उद्वेग होना। जोश होना। क्रोध और शोक आदि भावों का तीव्र या उद्दीप्त होना।

आग भड़काना — हलचल मचाना। लड़ाई बढ़ाना। जोश बढ़ाना।

आग भभूका होना — क्रोध से लाल होना।

आग भी न लगाना। — बहुत तुच्छ समझना।

आग मूतना / मूतना — अति करना।

आग में कूदना — अपने ऊपर विपत्ति लेना।

आग में घी छोड़ना — क्रोध भड़काना। झगड़ा बढ़ाना।

आग में घी डालना — क्रोध भड़काना। झगड़ा बढ़ाना।

आग में झोंकना (किसी को) — आफत में डाल देना। लड़की को ऐसे घर ब्याह देना जहां उसे हर घड़ी कष्ट हुआ करे।

आग में पानी डालना — झगड़ा मिटाना। बढ़ते हुए क्रोध को धीमा करना।

आग लगना — आग से किसी वस्तु का जलना। उ०- नयन चुवहि जस महवट नीरू। तेहि जल आगलाग सिर चीरू। जायसी। क्रोध उत्पन्न होना। कुढ़न होना। बुरा लगना। ईर्ष्या होना। डाह होना। लाली फैलना। लाल फूलों का चारों ओर फूलना। फैलना। गिरानी होना। बदनामी फैलना। हटना। दूर होना। जाना। किसी तीव्र भाव का उदय होना। सत्यानाश होना।

आग लगाकर तमाशा देखना — झगड़ा या उपद्रव खड़ा करके अपना मनोरंजन करना।

आग लगाकर पानी को दौड़ना — झगड़ा उठाकर फिर सब को दिखाकर उसको शांति का उपाय करना।

आग लगाके दूर होना — झगड़ा-बखेड़ा कराके अलग हो जाना।

आग लगाना — आग से किसी वस्तु को जलाना। गरमी देना। उद्वेग बढ़ाना। जोश बढ़ाना। किसी भाव को उद्दीप्त करना। भड़काना। ईर्ष्या उत्पन्न करना। क्रोध उत्पन्न करना। चुगली करना। विरोध उत्पन्न करना। नष्ट करना। फूंकना। उड़ाना। बरबाद करना। खूब धूमधाम करना। बड़े बड़े काम करना।

आग लगे — बुरा हो।नाश हो।

आग लगे पर कुआं खोदना — कोई कठिन कार्य आ पड़ने पर उसके करने के सीधे उपाय को छोड़ बड़ी लम्बी चौड़ी युक्ति में लगना।उ०- आग लगे खोदै कुआं कैसे आग बुझाय।पहले से करने के काम को ऐन वक्त पर करने चलना।

आग लगे पर पानी कहां — गुस्से में मुरौवत नहीं रहती।

आग लगे मेंह पाना — ताव पर किसी काम का चटपट न होना।उ०- या के तौ है आजु ही मिलौं माइ।आगि लागे मेरी आली मेह पाइयतु है। केशव ।

आग लेने आना — आकर फिर थोड़ी ही देर में लौट जाना।उलटे पांव लौट जाना।थोड़ी देर के लिए आना।

आग से पानी होना — क्रोध करके शांत होना।रिस का जाता रहना।

आग होना — गर्म होना।लाल अंगारा होना।क्रुद्ध होना।रोष में भरना।

आगम करना — उपक्रम बांधना।

आगम बताना — होनहार की सूचना देना।

आगम बांधना — आनेवाली बात का निश्चय हो करना।

आगा काटना — किसी अपशकुन-कारक व्यक्ति या प्राणी का आगे से निकल जाना।

आगा तागा लेना — आव-भगत करना।आदर सत्कार करना।

आगा पीछा करना — दुविधा में पड़ना।सन्देह में रहना।

आगा पीछा विचारना — भूत भविष्य का विचार करना।

आगा भारी होना — गर्भवती होना।पैर भारी होना।कहारों की बोली में राह में ठोकर गड्ढा आदि काट। जिससे गिरने का भय हो।

आगा मारना — किसी के कार्य में बाधा डालना।किसी की उन्नति में रुकावट डालना।बाधक होना।

आगा मारा जाना — किसी भावी उन्नति में विघ्न पड़ना। आगम मारा जाना।

आगा रूकना — भावी उन्नति में बाधा पड़ना।

आगा रोकना — आक्रमण रोकना। कोई बड़ा कार्य आ पड़ने पर उसे सम्भालना। मुहड़ा सम्भालना। किसी के सामने इस तरह खड़ा होना कि ओट हो जाय। किसी की उन्नति में बाधा डालना। बाधक होना। आड़ करना।

आगा लेना — शत्रु के आक्रमण को रोकना। भिड़ना।

आगा सम्भालना — मुहड़ा सम्भालना। कोई बड़ा कार्य आ पड़ने पर उसका प्रबन्ध करना। गुप्त अंग को ढाकना। वार रोकना। भिड़ना।

आगे आगे — थोड़े दिनों बाद। क्रमशः।

आगे आना — सामने आना। सामने पड़ना। मिलना। सम्मुख होना। सामना करना। भिड़ना। (कर्म का) फल मिलना, (घटित होना) बदला मिलना। उ०- (क) जो जैसा करे सो तैसे पावे। पूत भतार के आगे आवे। (ख) मत कर सास बुराई। तेरी धी के आगे आई। घटित होना। घटना। प्रगट होना। स्वागत करना। उ०- आगे आयहु लैन। रामा० ।

आगे करना — उपस्थित करना। प्रस्तुत करना। अगुआ बनाना। मुखिया बनाना। उ०- कमल सहाय सूर संग लीन्हा। राघव चेतन आगे कीन्हा। जायसी । अगुआना। अग्रगंता बनाना। उ०- रोजें रावास नियर बोलावा। आगे कीन्ह पंथ जनु पावा। जायसी । आगे बढ़ाना। चलाना। उ०- चक्र सुदर्शन आगे कीयो। कोटिक सूर्य प्रकाशित भयो। सूर । किसी आफत में डालना। मुखिया बनाना।

आगे का उठा — खाने से बचा हुआ। जूठा। उच्छिष्ट।

आगे का उठा खानेवाला — जूठा खानेवाला। टुकड़खोर, दास, नीच, अंत्यज, तुच्छ, नाचीज। ह्रास होना। अवनति होना। से आगे न बढ़ा जाना। दहशत छा जाना।

टिकान

आगे का कपड़ा	घूंघट।आंचल।
आगे का कपड़ा खींचना	घूंघट काढ़ना।
आगे की उखेड़	कुश्ती का एक पेंच।खिलाड़ी का प्रतिद्वंदी की पीठ पर जाकर उसकी कमर की लपेट को पकड़कर जिधर आ जोर चले उधर फेंकना।अग्रोत्तोलन।
आगे को	आगे से।भविष्य में।फिर।पुनः। आइंदा।
आगे चलकर	भविष्य में।इसके बाद। में। अनंतर।
आगे चलना	पथ दिखाना।नेता बनना।मुखिया होना।
आगे जाकर	भविष्य में।इसके बाद। अनन्तर
आगे डालना	देना।खाने के लिए सामने रखना।(यह अवज्ञा सूचक है और प्रायः इसका प्रयोग पशु आदि श्रेणी के जीवधारियों के लिए होता है)।
आगे डोलना	आगे फिरना।सामने खेलना कूदना।लड़कों का होना।
आगे देना	सामने रखना।उपस्थित करना।
आगे दौड़ पीछे चौड़	किसी काम को जल्दी जल्दी करते जाना और यह न देखना कि किए हुए काम की क्या दशा होती है।आगे बढ़ते करते जाना और पीछे का भूलते जाना। ध्यान न रखना।
आगे धरना	आदर्श बनाना।प्रस्तुत करना।उपस्थित करना।पेश करना।भेंट करना।भेंट देना।
आगे निकलना	साथियों, प्रतिस्पर्धियों से साथियों,प्रतिस्पर्धियों से आगे बढ़ जाना।
आगे पीछे	एक के पीछे एक।प्रत्यक्ष।परोक्ष।सामने और पीठ पीछे।आस पास।कुछ काल के अनन्तर।यथावकाश।इधर का उधर।उलट पलट।अनुपस्थिति में।वंश में। आसपास। होना।
(किसी के)आगे पीछे होना	किसी के वंश में किसी प्राणी का होना।
आगे रखना	अर्पण करना।देना।चढ़ाना।उपस्थित करना।

आगे लेना	पेश करना। भेंट करना। आदर्श बनाना।
	अगवानी या आगे बढ़कर स्वागत करना। किसी को प्रसन्न रखने के लिए उसके इच्छानुसार सब काम करना। आदर या या सत्कार करना।
आगे से	आइंदा से। भविष्य में। ~~पहले पहले से।~~ पूर्व से। बहुत दिनों से। सामने से। पहिले से।
आगे से लेना	स्वागत करना। अभ्यर्थना करना। उ०- कुंअरि सुनि पायो अति आनंद। मनही मनहिं विचार करत इह कब मिलिहैं नंद नंद। ---- हरि आगमन जानि के भीषम आगे लैन सिधायो। सूरदास प्रभु दर्शन कारण नगर लोग सब धायो। सूर।
आगे होकर लेना	आगे बढ़कर स्वागत करना। अभ्यर्थना करना। उ०- आगे ह्वै जहि सुरपति लेई। अर्द्ध सिंहासन आसन देई। । तुलसी ।
आगे होना	आगे बढ़ना। अग्रसर होना। बढ़ जाना। सामने आना। मुखिया बनना। परदा करना। आड़ करना। स्वागत करना।
आजकल करना	टाल मटोल करना। हीला हवाली करना।
आजकल का	हाल का। नये जमाने का।
आजकल का मेहमान होना	अति लघु समय में मरना। मरण काल निकट होना।
~~आज को~~	~~इस समय। इस अवसर पर। ऐसे समय में। ऐसे मौके पर।~~
आजकल बताना	टाल मटोल करना। हीला हवाला करना।
आजकल में	थोड़े दिनों में। शीघ्र। दो-चार दिनों में ही।
आजकल ~~लगना~~ लगाना	अब तब लगना। ~~मरने में दो ही एक दिन की देर होना।~~ मरण काल निकट आना।
आजकल होना	टाल मटोल होना। हीला हवाला होना।
आज को	इस समय। इस अवसर पर। ऐसे समय में। ऐसे मौके
आज तक	आज के दिन तक। इस समय तक। इस पीढ़ी तक

आज दिन	इस समय।वर्तमान समय में।
आज मुए कल दूसरा दिन	मरने के पीछे जो चाहे सो हो।मरने के बाद कोई चिन्ता नहीं रहती।मृत्यु के बाद की बात की ओर ध्यान न देना।
आज लौं	आज तक।
आज से	इस मि समय से।अब से।भविष्य में।
आज हो कि कल	थोड़े दिनों में।दो चार दिन के भीतर ही।
आटा कर देना	बहुत बारीक करना।पीसना।
(मुफलिसी में)आटा गीला होना	कठिनाई में कठिनाई पैदा हो जाना।
आटा के साथ घुन पीसना	बड़े आदमी के साथ छोटों को नुकसान पहुंचाना।
आटा दाल का भाव मालूम होना	संसार के व्यवहार का ज्ञान होना।असलियत का पता चलना।किये का फल मिलना। जीवन की कटुता का पता चलना।
आटा दाल की फिक्र	जीविका की चिन्ता।गृहस्थी की चिन्ता।
आटा माटी होना	नष्ट भ्रष्ट होना।किसी वस्तु का चूर्ण।बुकनी।तबाह होना।
आटा में नमक	थोड़ा सा।जरा सा।
आटे की आपा	भोली स्त्री।अत्यन्त सीधी सादी स्त्री।
आटे के साथ घुन पिसना	बड़े आदमी के साथ छोटे को नुकसान पहुँचाना।
आठ आठ आँसू रोना	अत्यधिक विलाप करना। फूट फूटकर रोना।
आठ अठारह होना	तितर बितर होना। हैरान होना।
आठ पहर चौसठ घड़ी	हर वक्त।
आठों गाँठ कुम्मैत	सर्वगुण सम्पन्न। चतुर। छँटा हुआ। धूर्त। चालाक। वह घोड़ा जिसकी सब गाँठ दुरुस्त हो और रंग कुम्मैत हो।
आठों पहर	दिन रात। उ.- ओछी संगत कूर की, आठों पहर उपाधि। कबीर।
आठों पहर सूली पर रहना	चौबीस घंटे हमेशा कष्ट में रहना।
आड़ा, आड़ा पड़ना	बीच में पड़ना।रुकावट डालना।उ०- कबिरा कोली आपनी,कबहुं न निष्फल जाय।सात समुद्र आड़ा परै मिलै अगाऊ आय। कबीर ।बाधक होना।
आड़ा होना	रुकावट डालना।बाधा डालना।आगे न बढ़ने

देना। उ०- मैं पाछे मुनि धोय कै, चह्यौं चलन करि चाव। मयूर्यका आड़ी भई, आगे दियो न राव। लक्ष्मण। बाधक होना।

आड़ी करना — बरक — जोड़ी खोने के बाद पीटनेवालों की जोड़ी में लम्बे कूटे हुए वर्क को जोड़ना।

आड़े आना — रुकावट डालना। बाधक होना। कठिन समय में सहायक होना। गाढ़े में काम आना। संकट में खड़ा होना। उ०- कमरी थोरे दाम की आवै बहुतै काम। खासा मलमल बाफ्ता उनकर राखै मान। उनकर राखै मान बुंद जहं आड़े आवै। बकुचा बाँधै मोट राति को झारि बिछावै। गिरिधर। सामने आना।

आड़े दिन काम आना — विपत्ति के दिनों में सहायता करना।

आड़े देना — ओट करना। आड़ के लिए सामने रखना। उ०- आड़े दै आले बसन, जाड़े हू की रात। साहस कै कै नेह बस, सखी सबै ढिग जाति। बिहारी। रक्षा। शरण। पनाह। सहारा। आश्रय।

आड़े पड़ना — रुकावट डालना। उ० - ... आली आनी, कबहुं न निष्फल जाय, ... समुद्र आड़ो पड़ै, मिलै न अगाऊ आय बाधक होना।

आड़े समय — कठिनाई के समय। कष्ट के दिनों में।

आड़े हाथों लेना — किसी को व्यंग्योक्ति के द्वारा लज्जित करना। छिपा हुआ आक्षेप करके लज्जित करना। बुरी तरह बनाना। अनायास विफल करना।

आड़ करना (आठ) — बीच में अवधि डालना। आज कल करना। टाल मटोल करना। उ०- हरि तेरी माया को न बिगोयो ? सौ योजन मरजाद सिंधु की पल में राम बिलोयो। नारद मगन भये माया में ज्ञान बुद्धि बल खोयो। साठ पुत्र अरु द्वादश कन्या कंठ लगाये जोयें। शंकर को चित हरयो कामिनी सैज छाड़ि भू सोये। जारि मोहिनी आढ़ आढ़ कियो तब नख सिख रोयो। सौ भैया राजा दुरजोधन पल में गर्द समोयो। सूरदास कांच अरु कंचन एकहि धागा पिरायो। सूर। (ख) आढ़ आढ़ करत असाढ़ आयो, एरी आली, डर सै लगत दैलि तम के जमाक तै। श्रीपति ये मैन मातें मोरन के बैन सुनि परत न चैन बुंदियान के झमाक तै। श्रीपति।

आत्मा का असीसना — हृदय से प्रसन्न होकर मंगल कामना करना। आशीष देना।

आत्मा 57

आत्मा ठंढी होना	तुष्टि होना।तृप्ति होना।सन्तोष होना।प्रसन्नता होना।पेट भरना।भूख मिटना।
आत्मा मसोसना	भूख सहना।भूख दबाना।किसी प्रबल इच्छा को दबाना। किसी आवेग को भीतर ही भीतर सहना।
आता जाता	आने जाने वाला।पथिक।बटोही। ज्ञान। जानना।
आदमी करना	पति बनाना।
आदमी कसना	मनुष्य या नौकर की परीक्षा करना।

आदमी बनना - सम्मान होना। पैसा पैदा कर लेना। सभ्यता सीखना। अच्छा व्यवहार सीखना।
आदमी बनाना - शिष्टता सीखना। मनुष्यता आना। शिष्ट और सभ्य करना।
आदाब अर्ज करना - प्रणाम करना।
आदाब बजा लाना - नियमानुसार प्रणाम करना।
आदि से अंत तक - आद्योपांत। शुरू से आखीर। सम्पूर्ण। समग्र। सब।

आधा तीतर आधा बटेर	बेजोड़।बेमेल।कुछ एक तरह का और कुछ दूसरी तरह का। क्रमविहीन। बेजोड़। बेमेल। ऊंटपटांग।
आधा होना	दुबला होना।सूखना।
आधार होना	कुछ पेट भर जाना।कुछ भूख मिट जाना।
आधी बात	जरा सी भी अपमानसूचक बात।
आधी बात कहना	जरा सी भी अपमानसूचक बात कहना।
आधी बात न पूछना	कुछ ध्यान न देना।कदर न करना।
आधी बात मुंह से निकालना	जरा सी भी अपमानसूचक बात कहना।
आधे आध	दो बराबर भागों में।अर्द्ध भाग।उ०- लागे जब संग युग सेर भोगें घरेउ रंग आधे आध पाव चले नपर बजाइ कै। प्रिया।

आधे पेट खाना - भर पेट न खाना। पूरा भोजन न करना।
आधे पेट रहना - तृप्त होकर न खाना।
आनंद के ढोल बजाना - आनंद के गीत गाना। उत्सव मनाना।
आनंद के तार बजाना - आनंद के गीत गाना - उत्सव मनाना।
आन की आन में - शीघ्र ही। अल्पकाल में। चटपट। बात की बात में। तुरंत। शीघ्र ही। अत्यल्प काल में।

की बात

आन तोड़ना	प्रतिज्ञा भंग करना।अकड़ छोड़ देना।हठ छोड़ना।
आन रखना	मान रखना।हठ रखना।अपनी बात रखना।

आनंद के ढोल बजाना	आनंद के गीत गाना।उत्सव मनाना।
आनंद के तार बजाना	आनंद के गीत गाना।उत्सव मनाना।
आना जाना	आवागमन।सहवास करना।संभोग करना।
आप आप करना	खुशामद करना।
आप आपकी पड़ना	अपने अपने काम में व्यस्त रहना।अपनी अपनी अवस्था का ध्यान रहना।अपनी अपनी रक्षा या लाभ का ध्यान रहना। अपनी ही चिंता होना।
आप आपको	अलग अलग।न्यारे न्यारे।उ०- दो पुरुष आप आपको ठाड़े।जब मिलें जब नित के गाड़े।पहेली (किवाड़)।अपने अपने को।
आप आप में	आपस में।परस्पर।
आप से	स्वयं।खुद।उ०- खेलत ही सतरंज आलिन में आपहि ते।तहाँ हरि आये कीधौं काहू के बुलाये से।केशव।
आप से आप	स्वयं।अपने आप। स्वतः
आप ही	स्वयं।आपसे आप।उ०- जागहिं दयादृष्टि के आपी। खोल से नयन दीन विधि झांपी। जायसी ।
आप ही आप	बिना किसी और की प्रेरणा के।आपही से आप।मन ही मन।किसी को सम्बोधन करके नहीं।स्वतः। स्वगत।

आपको पड़ना -	अपने- अपने कामों में व्यस्त रहना।
आपको जानना -	अपनी आत्मा का ज्ञान होना। अपने गुण कर्मादि का बोध होना।
आपको भूलना -	किसी मनोवेग के कारण बेसुध होना। मदांध होना। घमंड में चूर होना। अपनी प्रतिष्ठा और मर्यादा का ख्याल न रखना।
आपस का -	एक दूसरे से समान संबंध रखनेवाला। भाई बंधु के बीच का। पारस्परिक। इष्ट मित्रों के बीच का।
आपस में -	परस्पर। एक दूसरे के साथ। एक दूसरे के बीच। उ०- हिन्दू तुरक [illegible] आपस में आवै सन कोऊ कबीर। यमन झगड़ा रहे दोऊ। आपस में कलबों (२४) सुरत नाइहै कान सुने बतियाकल आपुस में कलबों कहिहैं। तुलसी।
आपा खोना -	अहंकार मर्यादा नष्ट करना। अपना गौरव छोड़ना। अहंकार त्यागना। नम्र होना। निरभिमान होना। उ० ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय। औरन को शीतल करै आपुहि शीतल होय। कबीर।

अपने को बरबाद करना।अपने को मिटाना।अपनी सत्ता को भूलना।खाक में मिलना।उ०- रंगहि पान मिला जस होई।आपहि खोय रहा होय सोई। जायसी।हस्ती बिगाड़ना।प्राण तजना।मरना।

आपा जाना — अपने अस्तित्व या मर्यादा का नष्ट होना।

आपा डालना — अहंकार का त्याग करना।घमंड छोड़ना।उ०- तन मन ताको दीजिए जाके विषया नाहिं।आपा सबहि डारि के राखै साहिब माहिं। कबीर ।

आपा तजना — अपनी सत्ता को भूलना।अपने को मिटाना।आत्मभाव का त्याग।अपने पराये का भेद छोड़ना।उ०- आपा तजौ औ हरि भजो नख शिख तजौ विकार।सब जिउते निर्वैर रहु साधु मता है सार। कबीर ।अपने आपको मिटाना।अपने को खराब करना।अहंकार छोड़ना।निरभिमान होना।उ०- आपा तजे सो हरि का हो।चोला छोड़ना।प्राण छोड़ना।मरना। आत्मघात करना। अपनत्व से दूर रहना।

आपा दिखलाना — दर्शन देना।उ०- कै विरहिनि को मीच दे कै आप दिखलाय।आठ पहर का दाझना मोपै रहा न जाय। । कबीर ।

आपा बिसरना — आत्मभाव का छूटना।अपने पराये ज्ञान का नाश होना।उ०- ब्रह्मज्ञान हिये रह बोलते की खोज करू। माया अज्ञान हरू आपा बिसराउ उर रे। कबीर। सुध बुध भूलना।होश हवास खोना।

आपा बिसराना — अहं भाव को भूलाना।अपने पराये को भेद भुलाना सुध-बुध भुलाना।होश-हवास खोना।

आपा भूलना — अपने अस्तित्व को भूल जाना।

आपा रखना — अपने अस्तित्व को रक्षित रखना।अपनी मान बनाये रखना।

आपा मिटना — अहंकार का नाश होना।घमंड का जाता रहना। उ०- या मन फटक पछोरि ले सब आपा मिट जाय।पिंगला होय पिय पिय करै ताको काल न खाय। । कबीर ।

आपा मेटना	घमंड छोड़ना। अहंकार त्यागना। उ०- गुरु गोविन्द दोउ एक है दूजा सब आकार। आपा मेटै हरि भजै तब पावै करतार। कबीर।
आपा संभालना	चैतन्य होना। जागना। होशियार होना।। चेतना। शरीर सम्भालना। अपने देह की सुध रखना। अपनी दशा सुधारना। वयस्क होना। होश सम्भालना। जवान होना।
आपे में आना (अपने में होना। होश हवास में होना।)	होश हवास में होना। सुध बुध में होना। चेत में होना। मनोभावों पर काबू होना।
आपे में न रहना	आपे से बाहर होना। बेकाबू होना। घबराना। बदहवास होना। उत्तेजना में विवेक खो देना। अत्यन्त क्रोध में होना।
आपे में रहना	अपनी मर्यादा के अन्दर रहना। अपने को अपने वश में रखना।
आपे से निकलना	आपे से बाहर होना। क्रोध और हर्ष के आवेश में सुध बुध खोना।
आपे से बाहर होना	वश में न रहना। बेकाबू होना। क्रोध या हर्ष के आवेश में सुध-बुध खोना। आवेश के कारण अधीर होना। क्षुब्ध होना। घबड़ाना। उद्विग्न होना। अपने को भूल जाना।
आफत उठाना	दुःख सहना। विपत्ति मोल लेना। ऊधम मचाना। हलचल मचाना।
आफत का टुकड़ा –	बहुत तेज, चलता, धूर्त आदमी। तूफानी।
आफत का परकाला –	किसी काम को बड़ी तेजी से करनेवाला। पटु। कमाल। अद्भुत प्रतिभा वाला। उपद्रवी। उद्यमी। ऊधम मचानेवाला। चंचल। नटखट।
आफत का मारा	विपत्ति से सताया हुआ। दुर्दैव। पीड़ित। विपदग्रस्त। संकट में पड़ा हुआ।
आफत खड़ी करना –	कठिनाई उत्पन्न करना। विघ्न डालना। विपद उपस्थित करना।
आफत गिरना –	अकस्मात विपत्ति का पड़ना।
आफत ढाना –	दंगा करना। जल्दी मचाना। आफत उठाना। ऊधम मचाना। उपद्रव मचाना। हलचल मचाना। तकलीफ देना। दुःख पहुंचाना। गजब करना। अनहोनी बात कहना।

आफ़त तोड़ना	आफ़त मचाना।ऊधम मचाना।उपद्रव मचाना।
आफ़त मचाना	हलचल करना।ऊधम मचाना।दंगा करना।शोर मचाना।गुल गपाड़ा करना।जल्दी मचाना। ~~(किसी काम में)~~बहुत उतावली करना।
आफ़त मोल लेना	कोई झंझट,बखेड़ा अपने सिर लेना।कुं क संकट को न्योता देना।
आफ़त सिर पर लेना	झगड़ा मोल लेना।झंझट में पड़ना।संकट में पड़ना।दुःख को बुलाना।अपने को झंझट में डालना।
आब आना	रौनक या छवि आ जाना।
आब आब करना	पानी मांगना।उ०- काबुल गए मुगल हो बाए बोलें बोल पठानी।आब आब करि पूता मर गये सिरहाने रहा पानी।
आब उतरना	चमक का मलीन हो जाना।
आब उतारना	प्रतिष्ठा नष्ट करना।
आब चढ़ाना	कलई करना।उत्साह देना।उत्तेजित करना।
आब जाना	शोभा नष्ट होना।प्रतिष्ठा न रहना।
आब रखना	प्रतिष्ठा रखना।पानी रखना।
आब लाना	शोभा बढ़ाना।युवावस्था को प्राप्त होना।
आबनूस का कुंदा	अत्यन्त काले रंग का मनुष्य।
आबी करना	दूध,पानी और लाजवर्द से बने हुए रंग से किसी कपड़े के थान को तर करके उस पर चमक लाना।

आबोदाना छूटना	जीविका न रह जाना।
आबोदाने के हाथ होना	जीविका के वश में होना।
आम के आम गुठली के दाम	दोहरा लाभ।
आमद होना	आने का समय अत्यन्त निकट होना। किसी के आने की खबर फैलाना या धूम होना।
आमीं आमीं करने वाले	हां में हां मिलाने वाले। खुशामदी।
आया गया	अतिथि। अभ्यागत। बीता हुआ। समाप्त।
आयु खुटाना	आयु कम होना। उ०- जेहि सुभाय चितवहिं हित जानी। सो जानै आयु खुटानी। तुलसी।
आयु सरना — सिराना	जीवन बीतना। आयु का अंत होना। उ०- जो तैं कही सो सब हम जानी। पुंडरीक की आयु सिरानी। गोपाल।
आयेदिन	नित्यप्रति।
आरजू बर आना	इच्छा पूरी होना। आशा पूरना।
आरजू मिटाना	इच्छा पूरी करना।
आरती उतारना / आरती करना — सिर चढ़ाना / आरती लेना	अभिनन्दन करना। सिर चढ़ाना। पूजा करना। देवता की आरती हो चुकने पर उपस्थित लोगों का उस दीपक पर हाथ फेरकर माथे पर चढ़ाना। वह पात्र जिसमें कपूर या घी की बत्ती रखकर आरती की जाय। वह स्तोत्र जो आरती के समय गाया या पढ़ा जाता है।
आराम करना	सोना। विश्राम करना।
आराम में होना	सोना। सुख में होना।
आराम लेना	विश्राम करना। सुस्ताना।
आराम से	धीरे धीरे। बेखटके। सुखसे।
आराम से गुजरना	चैन से दिन कटना।

आराम होना	
आल्हा गाना	वंगा या अच्छा होना।
आवाज उठाना	अपना वृत्तान्त सुनाना। अपनी बीती सुनाना। किसी बात को बहुत बढ़ा चढ़ा कर कहना। गाने में स्वर ऊंचा करना। किसी के विरुद्ध कहना। विरोध करना। किसी के पक्ष या विपक्ष में कहना।
आवाज ऊंची करना	किसी के पक्ष या विपक्ष में कहना, बोलना।
आवाज खुलना	बैठी हुई आवाज का साफ निकलना। स्पष्ट शब्द निकलना। अधोवायु का निकलना।
आवाज गिरना	स्वर का मंद पड़ जाना।
आवाज देना	जोर से पुकारना। बुलाना।
आवाज निकालना	बोलना। चूं करना। जबान खोलना।
आवाज पड़ना	गला बैठना। स्वर भंग होना।
आवाज पर कान रखना	सुनना। ध्यान देना।
आवाज पर लगना	(तीतर, बटेर आदि का) आवाज पहिचानकर चलना। आवाज देने पर कोई काम करना।
आवाज फटना	आवाज भर्राना।
आवाज बैठना	कफ के कारण स्वर का स्पष्ट रूप से न निकलना। स्वर भंग होना।
आवाज भर्राना	गले से अस्पष्ट और मोटी आवाज निकलना।
आवाज मारी होना	कफ के कारण कंठ का स्वर विकृत होना। गले से अस्पष्ट और मोटी आवाज निकलना।
आवाज मार जाना	गला बैठना।
आवाज मारना	आवाज देना। जोर से पुकारना।
आवाज लगाना	जोर से पुकारना। आवाज देना।
आवाजें कसना	जोर से खींचकर शब्द निकालना। व्यंग बात कहना। ललकारना। चुनौती देना। बोली बोलना।

कोई वस्तु होना। (साधुओं की) टिकान

आवाजाही लगाना	बारबार आना जाना।
आवां का आवां	सारा का सारा।
आवां बिगड़ना	आवें के बरतनों का ठीक ठीक न पकना।
आवें का आवां बिगड़ना	सारे कुटुम्ब में कोई दोष होना।सारे परिवार का बिगड़ना।
आशा टूटना	आशा न रहना।आशा भंग होना।
आशा तोड़ना	किसी को निराश करना।
आशा देना	किसी को उम्मीद बंधाना।किसी को उसके अनुकूल कार्य करने का वचन देना।
आशा पूजना	आशा पूरी करना।
आशा पूरी करना	किसी की इच्छा और निश्चय के अनुसार कार्य करना।
आशा पूरी होना	इच्छा और सम्भावना के अनुसार किसी कार्य या घटना का होना।
आशा बंधना	आशा उत्पन्न होना।
आशा बांधना	आशा करना।
आस करना	आशा करना।आसरा करना।मुंह ताकना।
आस छोड़ना	आशा परित्याग करना।उम्मीद न रखना।निराशा होना।
आस तकना	आसरा देखना।प्रतीक्षा करना।सहायता की अपेक्षा रखना।मुंह जोहना।
आस तजना	आशा छोड़ना।
आस तोड़ना	किसी की आशा के विरुद्ध कार्य करना।
आस देना	उम्मीद दिलाना।किसी को उसके इच्छानुकूल कार्य करने का वचन देना।संगति में किसी ... या स्वर से सहायता देना।

कोई वस्तु होना। (साधुओं की) टिकान...

आस पुराना	आशा पूरी करना।
आस पूजना	आशा पूरी होना।इच्छानुकूल फल मिलना। उ०- एकहि बार आस सब पूजी।अब कछु कहब जीभ कर दूजी। तुलसी ।मनचाही बात होना।
आस पुरना	आशा उत्पन्न होना।
आस बंधना	आशा उत्पन्न होना।
आस बांधना	उम्मीद करना।किसी के अनुकूल घटना की सम्भावना का निश्चय करना।
आस रखना	आशा रखना।उम्मीद रखना।
आस लगना	आशा उत्पन्न होना।
आस लगाना	आशा बांधना।
आस होना	आशा होना।सहारा होना।आश्रय होना।गर्भ होना।गर्भ रहना।
आसन उखड़ना	अपनी जगह से हिल जाना।घोड़े की पीठ पर रान न जमना।
आसन उठना	स्थान छूटना।प्रस्थान होना।जाना।
आसन करना	योग के अनुसार अंगों को तोड़ मरोड़कर बैठना।बैठना।टिकना।ठहरना।
आसन कसना	अंगों को तोड़ मरोड़कर बैठना।
आसन गांठना	आसन बनाना।
आसन छोड़ना	उठ जाना।चला जाना।
आसन जमना	जिस स्थान पर जिस रीति से बैठे उसी स्थान पर उसी रीति से स्थिर रहना।बैठने में स्थिर भाव आना।
आसन जमाना	स्थिर भाव से बैठना।अडिग भाव से बैठना अपनी स्थिति,अधिकार दृढ़ कर लेना।डेरा डालना।

आसन छिगना — बैठने में स्थिर भाव न रखना। चित्त चलायमान होना। मन डोलना। इच्छा और प्रवृत्ति होना।

आसन छिगाना — जगह से विचलित करना। चित्त को चलायमान करना। लोभ या इच्छा उत्पन्न करना।

आसन डोल — कहारों की बोली। जब पालकी का सवार बीच में खिसक कर एक ओर होता है और पालकी उस ओर झुक जाती है तब कहार लोग यह वाक्य बोलते हैं।

आसन डोलना — चित्त चलायमान होना। लोगों के विश्वास के विरुद्ध किसी की किसी वस्तु की ओर इच्छा या प्रवृत्ति होना। चित्त क्षुब्ध होना। हृदय पर प्रभाव पड़ना। हृदय में भय और करुणा का संचार होना।

आसन तले आना — वश में आना। अधीन होना।

आसन देना — सत्कारार्थ बैठने के लिए कोई वस्तु रख देना या बतला देना। बैठाना। टिकाना।

आसन पहचानना — बैठने के ढंग से घोड़े का सवार को पहचानना।

आसन पाटी — खाट खटोला। ओढ़ने बिछाने की वस्तु।

आसन पाटी लेकर पड़ना — अटवाटी खटवाटी लेकर पड़ना। दुःख और कोप प्रकट करने के लिए ओढ़ना ओढ़कर और बिछौना बिछाकर खूब आडम्बर के साथ सोना।

आसन बांधना — दोनों रानों के बीच दबाना। जांघों से जकड़ना।

आसन मारना — जमकर बैठना। पालथी लगाकर बैठना। उ०- मठ मंडप चहुं पास सवारे। जपा तपा सब आसन मा... । जायसी

आसन लगाना — आसन मारना। जमकर बैठना। टिकना। ठहर... किसी कार्य साधन के लिए अड़कर बैठना। बैठने की वस्तु फैलाना। बिछौना बिछना।

आसन होना — रति प्रसंग के लिए उद्यत होना। बैठने के लिए कोई वस्तु होना। (साधुओं की) टिकान...

	निवास। साधुओं का डेरा या निवास स्थान।
आसमान का चूमना	बहुत ऊंचा होना।
आसमान के कुलाबे मिलाना	वह व्यक्ति जो कभी घर से बाहर निकला न हो। वह जिसे अनुभव न हो।
आसमान के तारे तोड़ना	कोई कठिन या असम्भव कार्य करना। दुःसाध्य, अनहोनी बात कर डालना।
आसमान गिराना	अत्यन्त उच्च स्वर से चिल्लाना। उत्पात मचाना।
आसमान छूना	बहुत ऊंचा होना। गगनचुम्बी होना।
आसमान जमीन के कुलाबे मिलाना	खूब लम्बी चौड़ी हांकना। खूब बढ़ बढ़कर बातें करना। गहरा जोड़ तोड़ लगाना। विकट कार्य करना।
आसमान झांकना	घमंड करना।
आसमान ~~टूटना~~ टूट पड़ना	किसी विपत्ति का अचानक आ पड़ना। वज्रपात होना। गजब पड़ना। ~~दैवकोप होना~~। विपत्तियों का एकाएक घेर लेना।
आसमान ताकना	घमंड से सिर ऊपर उठाना। तनना। मुर्गबाजों की बोली में मुर्ग का मस्ताकर ~~चल~~ लड़ने के लिए तैयार होना। झड़प चाहना। (जब मुर्ग जोश में भरता है तब आसमान की ओर फूलकर नाचता ~~है~~ है। इसी से यह मुहावरा बना है)।
आसमान दिखाना	कुश्ती में ~~पछाड़कर~~ प्रतिद्वन्द्वी को चित करना। पराजित करना। प्रतिपक्षी को हराना।
आसमान पर उड़ना	इतराना। गर्व करना। बहुत ऊंचे ऊंचे संकल्प बांधना। ऐसा कार्य करने का विचार प्रकट ... जो सामर्थ्य से बाहर हो। बहुत बढ़कर बात करना। डींग हांकना। अपने आगे किसी को कुछ न समझना। (शेखी)
आसमान पर चढ़ना	~~गर्व~~ गरूर करना। घमंड दिखाना। शेखी मारना। उ० चाहत वारिद बुंद गहि, तुलसी चढ़न अकास। तुलसी
आसमान पर चढ़ाना	अत्यन्त प्रशंसा करना। अत्यन्त प्रशंसा करके किसी को फुला देना। प्रशंसा करके मिजाज बिगाड़ देना।

आसमान पर थूकना	किसी महात्मा के ऊपर लांछन लगाने के कारण स्वयं निन्दित होना। किसी सज्जन को अपमानित करने के कारण उलटे आप तिरस्कृत होना।
आसमान फटना	अचानक भारी विपद् आ पड़ना। दैवकोप होना।
आसमान में उड़ना	इतराना। गरूर करना। बहुत ऊंचे ऊंचे संकल्प बांधना। ऐसा कार्य करने का विचार प्रकट करना जो सामर्थ्य से बाहर हो। बहुत बढ़कर बात करना डींग हांकना।
आसमान में छेद करना।	आश्चर्यजनक काम करना। अति करना।
आसमान में छेद होना	ऊपर से अति वृष्टि होना।
आसमान में थिगली लगाना	विकट कार्य करना। जहां किसी की गति न हो वहां पहुंचना।
आसमान सिर पर उठा लेना	ऊधम मचाना। उपद्रव मचाना। हलचल मचाना। खूब आन्दोलन करना। धूम मचाना। अत्याचार करना।
आसमान सिर पर टूट पड़ना	दैवकोप होना। अचानक कोई भारी विपद् आ पड़ना।
आसमान से गिरना	अकारण प्रकट होना। आप से आप आ जाना। अनायास प्राप्त होना। बिना परिश्रम मिलना।
आसमान से टपकना	(किसी चीज का) अपने आप उपस्थित हो जाना।
आसमान से बातें करना	आसमान छूना। आसमान तक पहुंचना। बहुत ऊंचा होना।
आसरा टूटना	भरोसा न रहना। नैराश्य होना।
आसरा देना	वचन देना। किसी बात का विश्वास दिलाना।
आस्तीन का सांप	वह व्यक्ति जो मित्र होकर शत्रुता करे। ऐसा जो प्रकट में हिला मिला हो और हृदय से शत्रु हो।
आस्तीन चढ़ाना	किसी काम को करने के लिए मुस्तैद होना। लड़ने के लिए तैयार होना।

आस्तीन में सांप पालना	शत्रु या अशुभ चिन्तक को अपने पास रखकर उसका पोषण करना। धोखा खाना।
आह करना	हाय करना। कलपना। ठंडी सांस लेना। उ०- (क) आह करौं तो जग जले, जंगल भी जल जाय। पापी जियरा ना जले, जिसमें आह समाय। (ख) सरपहिं बिछोह पिंठा, आह करत जिय दीन्ह। हौं सांपिन जो जियत हौं, यही दोष हम कीन्ह। जायसी।
आह खींचना	ठंडी सांस भरना। उसास खींचना। कलपना।
आह पड़ना	शाप पड़ना। किसी को दुःख पहुंचाने का प्र... फल मिलना।
आह भरना	ठंडी सांस खींचना। उ०- चितहिं जो चित्र की... धन रों रों अंग समीप। सदा साल दुःख आह भर, मुरझ परी कामीप। जायसी। कलपना।
आह मारना	ठंडी सांस खींचना। उ०- आह जो मारी विरह की, आग उठी तेहि लाग। हंस जो रहा शरीर मंह, पंख जरे तन भाग। जायसी।
आह लगना	शाप का सत्य होना। किसी को दुःख देने का बुरा फल मिलना।
आह लेना	किसी को इतना सताना कि उसके हृदय से आह निकले। कलपना। दुःख देकर कलपाना। ~~किसी को सताने का फल अपने ऊपर लेना।~~
आहट मिलना	किसी के आने का शब्द सुनाई पड़ना। और उसके आने का अनुमान करना। पता लगाना।
आहट लेना	पता या टोह लेना। किसी के आने के शब्द को सुनना। आहट पाने, टोह लेने के लिए कान लगाये रहना।

इंद्रायन का फल	देखने में अच्छा पर वास्तव में बुरा।खोटा।
इज्जत उतारना	मर्यादा नष्ट करना।अपमानित करना।
इज्जत खोना	मर्यादा खोना।
इज्जत गवांना	मर्यादा खोना।
इज्जत देना	प्रतिष्ठा गवांना।सम्मान या आदर करना।
इज्जत बिगाड़ना	सतीत्व नष्ट करना।मान मर्यादा नष्ट करना। अपमानित करना।
इज्जत मिट्टी में मिलाना	प्रतिष्ठा नष्ट करना।
इज्जत रखना	मान मर्यादा की रक्षा करना।
इज्जत लेना	मर्यादा या प्रतिष्ठा न करना।अपमानित करना।
इत उत	इधर उधर।उ०- भोजन करत चपल चित,इत उत अवसर पाइ।भाजि चले किलकात मुख,दधि ओदन लपटाइ। तुलसी ।
इतना सा मुंह निकल आना	दुर्बलता के कारण सुस्त होना।चेहरे पर रौनक न रह जाना।विफलता,हानि या दुःख आदि के कारण उदासीन होना।
इतने में	इसी बीच में।इसी समय।उ०- इतने में रनठौर रूधिर नदी प्रगटत भई।गज हय सुभट करारे छिन्न अंग ह्वै ह्वै गिरे।
इत्तफ़ाक करना	सहमत होना।
इत्तफ़ाक पड़ना	संयोग उपस्थित होना।मौका पड़ना।अवसर आया।
इत्तफ़ाक से	संयोगवश।अचानक।अकस्मात।

इधर उधर की बात	बाजारू गप।जनश्रुति।सुनी सुनाई बात।असम्बद्ध बात।व्यर्थ की बकवाद।
इधर उधर की उड़ाना	झूठमूठ बकना।व्यर्थ बकवाद करना।गप मारना।
इधर उधर की हांकना	गप मारना।
इधर उधर के काम	व्यर्थ के कार्य।अनावश्यक कार्य।
इधर उधर में रहना	व्यर्थ समय खोना।
इधर उधर से	अनिर्दिष्ट स्थान से।अनिश्चित जगह से।औरों से। दूसरों से।जहां तहां से।
इधर उधर होना	उलट पलट होना।बिगड़ना।टाल मटोल होना। हीला हवाली होना।भाग जाना।तितर बितर होना।
इधर का उधर करना	उलट पलट देना।अस्त व्यस्त करना।क्रम बिगाड़ना
इधर का उधर होना	उलट पलट जाना।विपर्य्यय होना।विपरीत हो जाना।कहीं का कहीं हो जाना।
इधर की उधर करना	चुगलखोरी करना।चबाव करना।एक पक्ष के लोगों की बात दूसरे पक्ष के लोगों से कहना। झगड़ा लगाना।
इधर की उधर लगाना	चुगलखोरी करना।चबाव करना।एक पक्ष के लोगों की बात दूसरे पक्ष के लोगों से कहना।झगड़ा लगाना।
इधर की दुनिया उधर हो जाना	अनहोनी बात का होना।असम्भव का सम्भव होना।
इधर या उधर	परस्पर विरुद्ध दो सम्भावित घटनाओं में से कोई एक।अनुकूल या प्रतिकूल।पक्ष में या विपक्ष में।जीत या हार।
इधर से उधर फिरना	चारों ओर।
इनायत करना	कृपा करके देना।रहने देना।बाज रखना।वंचित रखना (व्यंग)।

इमली घोंटाना	व्याह की एक रस्म जो वर-वधू के मामा को करनी पड़ती है।
इल्लत पालना	कोई झंझट, बुरी आदत लगा लेना।
इशारे पर चलना	आज्ञानुसार करना।
इशारे पर नाचना	संकेत पाते ही आज्ञापालन करना।
इस्तिंजा लड़ना	अत्यन्त मित्रता होना। दांतकाटी रोटी होना।
इस्तिंजा लड़ाना	मित्रता करना।
इस्तिंजे का ढेला	अनादृत व्यक्ति। तुच्छ मनुष्य।
इष्ट होना	किसी देवता की आराधना में सिद्धि प्राप्त कर लेना, उसके आवाहन और अभिलषित कार्य कराने में समर्थ होना।

ईंट ईंट बिकना	सब सम्पत्ति समाप्त होना।
ईंट का खल्ला देना	कच्ची दीवार की मजबूती के लिए उससे सटाकर ईंट की इकहरी जोड़ाई करना।
(डेढ़ या ढाई) ईंट की मस्जिद अलग बनाना	अपनी ही बात पर चलना। निराला ढंग रखना। जो सब लोग कहते या करते हों उसके विरुद्ध कहना या करना।
ईंट गढ़ना	ईंटों को काट छांटकर जोड़ाई के काम में आने योग्य बनाना।
ईंट चुनना	दीवार बनाने के लिए ईंट पर ईंट रखना। ~~जोड़ाई करना।~~ ईंटों को जोड़कर दीवार उठाना। जोड़ाई करना।
ईंट पत्थर	कुछ नहीं। व्यर्थ की चीजें।
ईंट पाथना	गीली मिट्टी को सांचे में डालकर ईंट का आकार देना।
(गुड़ दिखाकर) ईंट या ढेला मारना	भलाई की आशा बंधाकर बुराई करना।
ईंट से ईंट बजना	किसी नगर या घर का ढह जाना या ध्वंस होना।
ईंट से ईंट बजाना	किसी नगर या मकान को ध्वस्त करना। या ढहाना
ईद का चांद	ऐसी वस्तु जिसके दर्शन दुर्लभ हों। अत्यन्त अभिलषित और प्रतीक्षित व्यक्ति या पदार्थ।
ईद के चांद होना	बहुत कम दिखाई पड़ना या मिलना, और अति प्रिय होना।
ईद मुहर्रम होना	प्रसन्नता या दुःख में निर्लिप्त पड़ना।
ईमान का सौदा	खरा व्यवहार।
ईमान की कहना	सच कहना। सच्ची बात कहना।
ईमान ठिकाने न रहना	धर्म पर दृढ़ न रहना।
ईमान डिगना	नियत में खामी आना।
ईमान देना	सत्य छोड़ना। धर्म विरुद्ध कार्य करना।
ईमान में फर्क आना	धर्मभाव में ह्रास होना। ~~नियत~~ नीयत बिगड़ना।
ईमान बिगड़ना	नीयत बिगड़ना। धर्म में सच्ची निष्ठा न रहना।
ईमान लाना	किसी मत, सिद्धान्त या धर्म की सच्चाई

विश्वास करना, उसे सर्व रूप में स्वीकार करना।

ईमान से कहना — सच सच कहना।